mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-127 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
09 मई 2026 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

नासिक टीसीएस केस: मुख्य आरोपी निदा खान हिरासत में

यौन उत्पीड़न और धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप; अब तक 9 एफआईआर दर्ज

नासिक,एजेंसी। नासिक टीसीएस केस में पुलिस ने मुख्य आरोपी निदा खान को गुरुवार रात छत्रपति संभाजीनगर से हिरासत में लिया। निदा पर सेक्सुअल हैरेसमेंट और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप हैं।

इससे पहले 2 मई को नासिक कोर्ट ने निदा की एंटीसिपेटरी बेल याचिका खारिज की थी। प्रॉसिक्यूशन ने कोर्ट में कहा कि आरोप गंभीर हैं और उनसे कस्टडी में पूछताछ जरूरी है। इस दौरान निदा फरार चल रही थी।

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अजय मिसर ने बताया था कि निदा खान इस केस की मुख्य आरोपियों में से एक हैं। इसी आधार पर कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया।

FIR के अनुसार, निदा पर आरोप है कि उसने महिला कर्मचारियों को बुर्का पहनने की सलाह दी थी। मामले की जांच नासिक पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) जांच कर रही है।

इस मामले में अब तक 9 एफआईआर दर्ज हुई हैं, जो महिला कर्मचारियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न से जुड़ी हैं। SIT ने इस मामले में अब तक एक महिला ऑपरेशंस मैनेजर समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया है।

निदा ने कोर्ट में प्रेग्नेंसी का हवाला दिया था, लेकिन राहत नहीं

निदा ने एंटीसिपेटरी बेल के लिए अपनी प्रेग्नेंसी का हवाला दिया, लेकिन कोर्ट ने इसे स्वीकार नहीं किया था। मामले पर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (TCS) ने पिछले महीने बयान में कहा था कि कंपनी किसी भी तरह के हैरेसमेंट और जबरदस्ती के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस पॉलिसी पर काम करती है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड के 4 आरोपियों की बेल खारिज

सोनम की जमानत को हाईकोर्ट में चुनौती; मेघालय सरकार बोली- पुलिस जांच में गलती नहीं

इंदौर,एजेंसी। मध्यप्रदेश के इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में आरोपियों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। शिलांग सेशन कोर्ट ने मामले के मुख्य आरोपी राज कुशवाह समेत चार आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। वहीं मेघालय सरकार ने आरोपी सोनम रघुवंशी को मिली जमानत के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मामले में 12 मई को सुनवाई होगी।

राज कुशवाह समेत 4 आरोपियों को राहत नहीं:शिलांग सेशन कोर्ट ने मुख्य आरोपी और सोनम के कथित प्रेमी राज कुशवाह की दूसरी जमानत याचिका भी खारिज कर दी।

सोहराबुद्दीन फर्जी मुठभेड़ केस- सभी 22 आरोपी बरी

बॉम्बे हाई कोर्ट बोला- ठोस सबूत नहीं, संदेह पर सजा नहीं दे सकते; ट्रायल कोर्ट का फैसला बरकरार

नई दिल्ली,एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को साल 2005 के सोहराबुद्दीन शेख फर्जी मुठभेड़ केस में सभी 22 आरोपियों को बरी करने का फैसला बरकरार रखा है। इस मामले में सोहराबुद्दीन की पत्नी कौसर बी और सहयोगी तुलसीराम प्रजापति की भी हत्या हो गई थी।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की बेंच ने सोहराबुद्दीन के भाइयों, रुबाबुद्दीन, नयाबुद्दीन की अपीलों को खारिज कर दिया। जिन 22 को आरोपमुक्त किया गया है, उनमें गुजरात व राजस्थान पुलिस के जूनियर लेवल के अफसर थे।

उन पर आरोप था कि वे उस टीम का हिस्सा थे जिसने इन तीनों का अपहरण किया और बाद में फर्जी मुठभेड़ में उन्हें मार गिराया। बाकी एक आरोपी गुजरात के एक फार्महाउस का मालिक था, जहां सोहराबुद्दीन और कौसर बी को उनकी हत्या से पहले अवैध रूप से बंधक बनाकर रखा गया था।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बिना ठोस साक्ष्यों के संदेह के आधार पर सजा नहीं दी जा सकती।

दावा:सुवेंदु के पीए को सुपारी किलर्स से मरवाया

भाजपा विधायक बोले- मैंने कराहने की आवाज सुनी, दोबारा कॉल किया तो नहीं उठा

कोलकाता,एजेंसी।पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ हत्याकांड में नया दावा किया गया है। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात सजिश के साथ हत्या की गई। पुलिस को शक है कि इसमें प्रोफेशनल शूटर शामिल हो सकते हैं।

इस वारदात से बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद सियासी हिंसा का डर फिर लौट आया है। पुलिस के सीनियर अफसर के मुताबिक कई टीमें जांच में जुटी हैं। 3 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

इधर, हत्या में इस्तेमाल की गई दूसरी बाइक भी बरामद कर ली गई है। यह बाइक गुरुवार रात बारासात में 11 नंबर रेल गेट इलाके के पास मिली। यह बाइक पहले दमदम इलाके से चोरी हुई थी। चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात 10.30 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 42 साल के चंद्रनाथ कोलकाता से मध्यमग्राम अपने घर जा रहे थे। हमलावर ने उन्हें सीने में दो और पेट में एक गोली मारी।

● **13 साल में अपने 3 करीबियों को खो चुके हैं सुवेंदु :** 2013 में जब सुवेंदु तृणमूल में थे। तब उनके निजी सहायक प्रदीप झा की मौत हुई थी। हालांकि, जांचकर्ताओं ने मौत को सामान्य माना था। इसके बाद 2018 में उनके पीएसओ शुभव्रत चक्रवर्ती मृत मिले थे। पुलिस ने इसे आत्महत्या माना।

सुप्रीम कोर्ट बोला: मंत्री शाह को ऐसे कमेंट्स की आदत

कर्नल सोफिया मामले में एमपी सरकार को फटकार, कहा- बहुत हुआ, आदेश का पालन करें

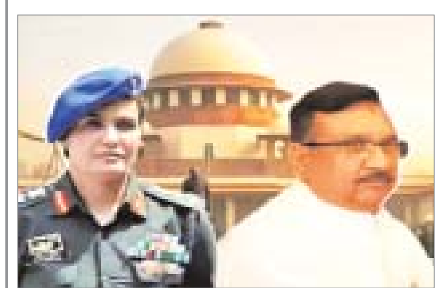

भोपाल,एजेंसी। सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अभियोजन स्वीकृति देने में हो रही देरी पर राज्य सरकार को फटकार लगाई।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कड़े शब्दों में कहा- ' (बस बहुत हुआ), अब हमारे आदेश का पालन कीजिए। '

कोर्ट ने कहा- यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था

सुनवाई के दौरान जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मंत्री का बचाव करते हुए कहा कि शायद उनके बयान को गलत समझा गया और वे महिला अधिकारी की प्रशंसा करना चाहते थे तो सीजेआई सूर्यकांत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा- यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। एक राजनेता के तौर पर उन्हें अच्छी तरह पता है कि किसी महिला अधिकारी की प्रशंसा कैसे की जाती है। कोर्ट ने SIT की स्टेटस रिपोर्ट का हवाला देते हुए टिप्पणी की कि मंत्री को इस तरह के कमेंट करने की आदत है।

अमित शाह की मौजूदगी में विधायक दल की बैठक

सुवेंदु अधिकारी होंगे बंगाल के सीएम ,आज लेंगे शपथ

रूपा गांगुली समेत 2 डिप्टी सीएम बनेंगे

कोलकाता,एजेंसी।पश्चिम बंगाल में नए सीएम के लिए विधायक दल की बैठक हुई। यह मीटिंग कोलकाता के कन्वेंशन सेंटर में हो रही थी । गृहमंत्री अमित शाह भी बैठक में बतौर ऑब्जर्वर शामिल हुए।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य प्रस्तावक बनेंगे। वे सुवेंदु का नाम सबके सामने रखेंगे, जिसके बाद बैठक में मौजूद सभी भाजपा विधायकों की मंजूरी ली ।सुवेंदु सीएम बनेंगे, राज्य में दो उप-मुख्यमंत्री भी होंगे। डिप्टी सीएम के तौर पर रूपा गांगुली के नाम पर मुहर लग चुकी है। दूसरा डिप्टी सीएम उत्तर बंगाल से पुरुष विधायक होगा। सुवेंदु के पास गृह विभाग का प्रभार होगा।

कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में कल 10 बजे मुख्यमंत्री शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, शाह समेत NDA के कई बड़े नेता शामिल होंगे।

सुवेंदु ने ष्टरू ममता बनर्जी को भवानीपुर से हराया है। वे नंदीग्राम से भी लगातार दूसरी बार चुनाव जीते। यहां से 2021 में उन्होंने ममता को हराया था। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 207 सीटें जीती हैं।

बंगाल में 26 साल से डिप्टी सीएम का पद खाली

पश्चिम बंगाल में पिछले 26 साल से उपमुख्यमंत्री का पद खाली है। 5 नवंबर 2000 तक दिवंगत CPM नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य, ज्योति बसु की सरकार में इस पद पर रहने वाले आखिरी नेता थे। राज्य में अब तक सिर्फ 3 डिप्टी CM रहे हैं।

इनमें ज्योति बसु, बिजॉय सिंह नाहर और बुद्धदेव भट्टाचार्य शामिल हैं। CPI(M) नेता ज्योति बसु दो बार डिप्टी सीएम रहे। वे पहली बार 1 मार्च 1967 से 21 नवंबर 1967 और दूसरी बार 25 फरवरी 1969 से 16 मार्च 1970 बंगाल के उपमुख्यमंत्री रहे। कांग्रेस नेता बिजॉय सिंह नाहर 2 अप्रैल 1971 से 28 जून 1971 तक डिप्टी सीएम रहे। वहीं CPI(M) नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य 12 जनवरी 1999 से 5 नवंबर 2000 तक उपमुख्यमंत्री थे, जब ज्योति बसु मुख्यमंत्री पद पर थे।

एक्टर विजय का तमिलनाडु सीएम बनना तय

बहुमत के लिए 118 विधायक पूरे, टीवीके को कांग्रेस के बाद लेफ्ट, वीसीके का समर्थन;

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु में एक्टर विजय का मुख्यमंत्री लगभग तय है। सूत्रों ने दावा किया है कि तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) को कांग्रेस के बाद 3 छोटी पार्टियां, विदुथलाई चिरुथैगल काची (VCK), CPI और CPI(M) भी समर्थन देने को राजी हैं।

इस बीच TVK चीफ विजय ने आज लगातार तीसरे दिन राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मिलने का समय मांगा है। इससे पहले 6 और 7 मई को भी वे राज्यपाल से मिले थे। लेकिन दोनों बार उन्होंने विजय को यह कहकर लौटा दिया था कि सरकार बनाने के लिए जरूरी 118 विधायकों का समर्थन लेकर आएं।

TVK ने विधानसभा चुनाव में 108 सीटें जीती हैं। दो सीटों पर विजय जीते हैं। उन्हें एक सीट छोड़नी पड़ेगी। ऐसे में बहुमत के लिए 11 विधायक और चाहिए। कांग्रेस के 5 विधायक पहले ही TVK को समर्थन दे चुके हैं। CPI, CPI (M) और VCK के 2-2 विधायकों से TVK के पास बहुमत हो जाएगा। DMK ने लोकसभा में अपने सांसदों की सीट बदलने की मांग की तमिलनाडु में कांग्रेस से गठबंधन टूटने के बाद DMK ने लोकसभा में अपने सांसदों की सीट व्यवस्था बदलने की मांग की है। DMK की उप महासचिव और तूतीकोरिन सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने 7 मई 2026 को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेटर लिखा।

उन्होंने लेटर में लिखा- बदले हुए राजनीतिक हालातों को देखते हुए और कांग्रेस के साथ हमारा गठबंधन खत्म हो गया है। ऐसे में हमारे सदस्यों के लिए सदन में उनके साथ बैठने की व्यवस्था का जारी रखना सही नहीं हो सकता है।

कश्मीर में एडवांस हथियारों वाली 1500 विलेज गार्ड्स की फौज

5 जिलों के ग्रामीण जवानों के साथ 12-12 घंटे की ड्यूटी कर रहे

जम्मू/श्रीनगर,एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों ने गांव स्तर पर सुरक्षा तंत्र काफी मजबूत किया है। पिछले एक साल में पांच जिलों में 1500 से ज्यादा विलेज डिफेंस गार्ड्स (वीडीजी) को ट्रेनिंग दी गई है।

इसमें हथियार चलाना, टैक्टिकल मूवमेंट, सर्विलांस व इमरजेंसी रिस्पॉन्स शामिल है। वहीं, .303 राइफल की जगह एसएलआर, बुलेटप्रूफ जैकेट व वायरलेस कम्युनिकेशन सेट भी दिए जा रहे हैं।

ये ग्रामीण सीमाई इलाकों में जवानों के साथ 12-12 घंटे की ड्यूटी कर रहे हैं। राजौरी के अमित कुमार कहते हैं कि पिछले एक साल में कई बार घुसपैठ की कोशिशें हुईं, पर वीडीजी सदस्यों ने समय रहते सेना और पुलिस को अलर्ट किया।

उनके मुताबिक गांव में कोई अजनबी आता है तो लोग तुरंत पहचानकर मूवमेंट की सूचना देते हैं। रात में सुरक्षा बलों के साथ जॉइंट पेट्रोलिंग भी होती है।

म्यांमार सीमा से आए उग्रवादियों ने मणिपुर में घर जलाए

सुबह 4 बजे हमला, लोग जान बचाकर जंगलों में भागे, महिला समेत दो लापता

इंफाल,एजेंसी।मणिपुर के कमजोंग जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास गुरुवार सुबह हथियारबंद उग्रवादियों ने कई गांवों पर हमला किया। कई घरों में आग लगा दी गई। लोग जान बचाकर जंगलों में भाग गए। पुलिस के मुताबिक, हमला सुबह करीब चार बजे हुआ।

उग्रवादियों ने कसोम खुल्लेन थाना क्षेत्र के तांगखुल नागा गांव नामली, वांगली और चोरो को निशाना बनाया। ये गांव अंतरराष्ट्रीय सीमा से एक किलोमीटर से कम दूरी पर हैं। हमले के दौरान भागने की कोशिश में एक बुजुर्ग महिला घायल हो गई।गांव वालों के मुताबिक, नामली में दो, वांगली में तीन से चार और चोरो में कई घर जलकर राख हो गए। चोरो में एक चर्च को छोड़कर कई घरों को नुकसान पहुंचा।

कुत्तों ने 2 साल की बच्ची को नोच-नोचकर मार डाला

पिता के पास सो रही थी मासूम, उठाकर 50 मीटर दूर ले गए कुत्त

झालावाड़,एजेंसी। राजस्थान के झालावाड़ में कुत्तों के हमले में 2 साल की बच्ची की मौत हो गई। घटना शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे भाटिया वर्कशॉप के पास एक अस्थायी टेंट के बाहर हुई।

बच्ची पिता के साथ टेंट के बाहर सो रही थी। तभी 3-4 कुत्ते अचानक वहां पहुंचे और बच्ची को उठाकर करीब 50 मीटर दूर ले गए।आहट सुनकर पिता उठे तो बच्ची गायब थी। पिता बच्ची को ढूंढते हुए मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक कुत्तों ने बच्ची को बुरी तरह नोच डाला था।पिता ने किसी तरह कुत्तों को भगाकर बच्ची को छुड़ाया और तुरंत एसआरजी अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

काम की तलाश में आया था परिवार:बच्ची गोरी के पिता राजूलाल मूल रूप से बारां जिले के भंवरगढ़ के रहने वाले हैं। वे करीब डेढ़ महीने पहले काम की तलाश में झालावाड़ आए थे।

अमेरिका ने सीजफायर तोड़कर ईरान पर फिर बमबारी की

ट्रम्प बोले- डील नहीं की तो और हमले करेंगे; होर्मुज में 1500 जहाज फंसे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी।अमेरिकी सेना ने ईरान पर फिर बमबारी की है। ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने सीजफायर के बीच यह कार्रवाई की। दरअसल, अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया है। इसके बाद ईरान ने बिना किसी हिचकिचाहट के करारा जवाब देने की चेतावनी दी है।ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस TV के मुताबिक खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी सेना ने जास्क के पास ईरानी समुद्री इलाके से होर्मुज स्ट्रेट की ओर जा रहे एक तेल टैंकर को निशाना बनाया।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी कि अगर तेहरान डील नहीं करता तो हम फिर हमले करेंगे। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिकी जंगी जहाजों पर हमला किया था।इसके बाद दोनों देशों के बीच फायरिंग हुई, जिसमें हमने उन्हें बुरी तरह से तबाह कर दिया और उनकी कई छोटी नावों को डुबो दिया। हम उन्हें परमाणु हथियार रखने का अधिकार नहीं देंगे और वे इस बात पर सहमत हो गए हैं।वहीं, संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी IMO के महासचिव आर्सेनियो डोमिंगेज ने कहा है कि होर्मुज संकट के कारण खाड़ी क्षेत्र में करीब 1500 जहाज फंस गए हैं। इन जहाजों के साथ लगभग 20 हजार नाविक भी फंसे हुए हैं।

होर्मुज में फंसे भारतीय नाविक बोले- हम परेशान है:करीब 10 हफ्तों से ईरानी बंदरगाह पर फंसे भारतीय नाविक अनीश बोले, 'हमने यहां पूरा हाल देखा है। युद्ध, मिसाइलें, सब कुछ। हमारा दिमाग पूरी तरह परेशान हो चुका है। 'अल जजीरा से बात करते हुए उन्होंने बताया कि वह युद्ध शुरू होने से कुछ दिन पहले एक कार्गो जहाज से शत्त अल अरब जलमार्ग पहुंचे थे।

हरियाणा में ग्रेच्युटी को लेकर बदला नियम, एक साल की सेवा पूरी करने वाले निश्चित अवधि के कर्मी भी हकदार

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा सरकार ने श्रमिकों और कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न कानूनों को एकीकृत करते हुए 'कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी (हरियाणा) रूल्स 2026' का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। नये नियमों में कर्मचारियों के ग्रेच्युटी भुगतान की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाने का प्रस्ताव है। कर्मचारी, नामित व्यक्ति या कानूनी वारिस ऑनलाइन या स्पीड पोस्ट से आवेदन कर सकेंगे। फिक्स्ड टर्म (निश्चित अवधि) के रोजगार वाले कर्मचारी भी कम से कम एक वर्ष की सेवा पूरी करने पर ग्रेच्युटी के पात्र होंगे। वहीं, छह महीने से अधिक की अतिरिक्त सेवा को एक अतिरिक्त वर्ष माना जाएगा। निश्चित अवधि के रोजगार वाले कर्मचारी वे व्यक्ति होते हैं, जिन्हें एक पूर्व निर्धारित समाप्ति तिथि वाले अनुबंध के तहत नियुक्त किया जाता है या जिनका अनुबंध किसी विशिष्ट परियोजना के पूर्ण होने पर समाप्त हो जाता है। हरियाणा सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि मेडिकल खर्च प्रतिपूर्ति, स्टाक आप्शन, क्रेच अलाउंस, इंटरनेट-टेलीफोन रिइंबर्समेंट और मील वाउचर को वेतन का हिस्सा नहीं माना जाएगा। कर्मचारी को ग्रेच्युटी के लिए उस तारीख से 30 दिनों के भीतर आवेदन करना होगा जब वह देय हो जाती है। श्रम विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सरकार ने सभी पक्षों से 45 दिन के भीतर आपत्तियां और सुझाव मांगे हैं। यह कदम केंद्र सरकार द्वारा 'कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी-2020' को लागू किए जाने के बाद उठाया गया है। केंद्र सरकार ने 21 नवंबर 2025 की अधिसूचना के जरिये सोशल सिक्योरिटी कोड के प्रविधान लागू कर दिए थे, जिसके बाद हरियाणा सरकार ने राज्य स्तर पर नये नियमों का मसौदा जारी किया है। नये नियम लागू होने के बाद हरियाणा में श्रमिक कल्याण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कई पुराने नियम समाप्त हो जाएंगे। इनमें हरियाणा मैटरनिटी बेनिफिट रूल्स 1967, हरियाणा पेमेंट आफ ग्रेच्युटी रूल्स 1972, हरियाणा अनआर्गेनाइज्ड वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी रूल्स 2010, पंजाब एंप्लाइज इंश्योरेंस कोर्ट रूल्स 1951, रोजगार रिक्तियों की अनिवार्य सूचना नियम 1960 तथा भवन एवं अन्य निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड नियम 2005 शामिल हैं। औद्योगिक प्रतिष्ठानों का पंजीकरण श्रम विभाग के पोर्टल परः ड्राफ्ट नियमों के अनुसार सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों और संस्थानों का पंजीकरण अब श्रम विभाग के निर्धारित पोर्टल पर ऑनलाइन होगा। आवेदन पूरा होने पर सात दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जारी करना होगा अन्यथा इसे स्वतः स्वीकृत माना जाएगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि कोई प्रतिष्ठान 24 महीने तक पोर्टल पर कोई अनुपालन रिपोर्ट दाखिल नहीं करता तो उसका रजिस्ट्रेशन समाप्त माना जाएगा। गलत जानकारी देकर रजिस्ट्रेशन लेने पर रद भी किया जा सकेगा। सोशल सिक्योरिटी कोड-2026 लागू करने की तैयारी। सरकार ने 45 दिन में मांगे सुझाव, कई पुराने श्रम कानूनों के नियम खत्म होंगे। मेडिकल खर्च प्रतिपूर्ति, क्रेच अलाउंस, इंटरनेट-टेलीफोन रिइंबर्समेंट और मील वाउचर वेतन का हिस्सा नहीं। मातृत्व लाभ के मामलों की अपील अब डीएलसी के पास मातृत्व लाभ से जुड़े मामलों में इंस्पेक्टर-कम-फैसिलिटेटर के आदेशों के खिलाफ अपील अब संबंधित डिप्टी लेबर कमिश्नर के पास की जा सकेगी। ड्राफ्ट नियमों में कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में अंतिम संस्कार खर्च के रूप में न्यूनतम 20 हजार रुपये जमा करवाने का प्रविधान किया गया है। राज्य सरकार भविष्य में इस राशि को बढ़ा भी सकेगी। सोशल सिक्योरिटी कोड के अन्य प्रविधान नियोक्ताओं को अपने संस्थान में रिक्तियों की जानकारी आवेदन प्राप्त करने या इंटरव्यू की तारीख से कम से कम 15 दिन पहले पोर्टल पर देनी होगी। चयन प्रक्रिया पूरी होने के एक महीने के भीतर नियोक्ता को परिणामों की जानकारी भी पोर्टल पर साझा करनी होगी। नियोक्ताओं को सभी रजिस्टर (हाजिरी, वेतन, ओवरटाइम और कटौती) हिंदी या अंग्रेजी में इलेक्ट्रानिक रूप से रखने होंगे। इन सभी रिकार्ड्स को अंतिम इंट्री की तारीख से कम से कम पांच कैलेंडर वर्षों तक सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा। नियोक्ताओं को 'फार्म 20' में महिला कर्मचारियों का एक विस्तृत रजिस्टर बनाना होगा। इसमें उनकी नियुक्ति, कार्य की प्रकृति, गर्भावस्था की सूचना, मातृत्व लाभ का भुगतान और चिकित्सा अवकाश जैसे विवरण दर्ज किए जाएंगे।

ड़ी मशक्कत से टला बड़ा हादसा

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम शहर के एक बैंक्वेट हॉल के मुख्य गेट पर सोमवार देर रात अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग गेट पर की गई लाइटिंग सजावट में लगी थी। सूचना मिलते ही सेक्टर-37, सेक्टर-29 और भीमनगर फायर स्टेशन से तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, रात करीब 11 बजे दमकल केंद्र को अतुल कटारिया चौक कैसे में बने नटराज गार्डन बैंक्वेट हॉल के प्रवेश द्वार पर आग लगने की सूचना मिली थी। आग तेजी से सजावटी लाइटों और अन्य विद्युत सामग्री में फैलने लगी, जिससे मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। बैंक्वेट हॉल कर्मचारियों ने शुरुआती स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें बढ़ने पर फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचते ही क्षेत्र को खाली कराया और पानी की बौछारों के जरिए आग पर नियंत्रण शुरू किया। दमकल की टीम ने मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। समय रहते आग पर काबू पा लेने से बड़ा हादसा टल गया।

कार को घर पर ही धोना हो सकता है महंगा साबित

नई दिल्ली , एजेंसी। पैसों की बचत के उद्देश्य से कई लोग अपनी कार को घर पर ही धोना पसंद करते हैं। इसमें कोई बुराई नहीं है, लेकिन गलत तरीके और घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल आपकी कार को ऐसा नुकसान पहुँचा सकता है, जिसकी भरपाई बाद में बेहद महँगी साबित होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि घर पर कार धोते समय कुछ आम गलतियाँ न केवल कार की सेहत बिगाड़ती हैं, बल्कि उसकी चमक और उसकी बाजार मूल्य को भी कम कर देती हैं। यहाँ हम विस्तार से उन गलतियों, उनके नुकसान और कार धोने के सही तरीके पर चर्चा करेंगे, ताकि आपकी कार की शाइन और वैल्यू दोनों बनी रहे। अक्सर लोग बर्तन धोने वाले साबुन, शैम्पू या कपड़े धोने के डिटर्जेंट जैसे घरेलू क्लीनर का इस्तेमाल कार धोने के लिए कर लेते हैं। ये केमिकल कार पेंट की नाजुक क्लियर कोट लेयर को धीरे-धीरे खत्म कर देते हैं, जिससे पेंट फीका पड़ने लगता है और उसकी प्राकृतिक चमक गायब हो जाती है। शुरुआत में भले ही इसका फर्क दिखाई न दे, लेकिन कुछ ही महीनों में आपकी कार पुरानी और बेजान लगने लगती है। इसी तरह, इंटरनेट पर या देसी सलाह के भरोसे नींबू, बेकिंग सोडा और सिरका जैसी चीजों का प्रयोग भी बेहद हानिकारक है। इनके एसिडिक और एब्रेसिव तत्व पेंट को खुरच देते हैं, जिससे सूक्ष्म खरोंचें (माइक्रो स्क्रैच) बन जाती हैं। ये खरोंचें बाद में स्पष्ट दिखने लगती हैं और धातु के हिस्सों पर जंग लगने का खतरा भी बढ़ा देती हैं। ये नुस्खे तात्कालिक सफाई तो दे सकते हैं, लेकिन लंबे समय में कार की उम्र और उसकी खूबसूरती पर बुरा असर डालते हैं। कार को पुराने कपड़ों, टी-शर्ट या सामान्य तौलियों से पोंछना भी एक आम गलती है। इन पुराने कपड़ों में अक्सर धूल के कण या बारीक रेत फंसी होती है, जो कार की बॉडी पर रगड़ने से स्वर्ल मार्क्स और सूक्ष्म खरोंचें पैदा करती है। काली या गहरे रंग की कारों पर ये खरोंचें और भी जल्दी दिखती हैं, जिससे कार भले ही साफ दिखे, लेकिन पास से देखने पर उसका पेंट खराब और धूमिल लगता है। गलत क्रम में कार धोना भी एक बड़ी समस्या है। ज्यादातर लोग ऊपर से कार धोना शुरू करते हैं और नीचे की गंदगी बाद में साफ करते हैं। ऐसा करने से निचले हिस्से की मिट्टी और ग्रीस ऊपर के साफ किए हुए हिस्सों पर फैल जाती है ।

बांग्लादेश में खसरे का कहर, टेस्टिंग किट की कमी से जांच ठप होने का खतरा; अब तक 300 से ज्यादा मौतें

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच पूरे देश में खसरे की जांच करने वाली इकलौती लैब मोहखाली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ की लैब में टेस्टिंग किट की भारी कमी है। जरूरी खरीद में देरी के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नई किट्स समय पर नहीं पहुंचीं, तो 11 मई के बाद पूरे देश में खसरे की जांच बंद हो सकती है। इससे यह पता लगाना मुश्किल हो जाएगा कि असल में कितने लोग संक्रमित हैं।बांग्लादेशी दैनिक 'ढाका ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, यह लैब हर दिन देशभर से आने वाले करीब 300 सैंपल की जांच करती है। अधिकारियों का कहना है कि अगर इसी रफ्तार से टेस्टिंग चलती रही और नई किट्स नहीं मिलीं, तो हालात तेजी से बिगड़ सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि खसरे का प्रकोप अब काफी चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुका है। उनका मानना है कि अगर इसे आधिकारिक तौर पर महामारी घोषित किया जाए, तो इलाज के लिए एक समान व्यवस्था लागू की जा सकेगी और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्यकर्मियों को बेहतर तरीके से लगाया जा सकेगा।साथ ही, ज्यादा टेस्टिंग होने से संक्रमित लोगों की पहचान जल्दी हो सकेगी, उन्हें अलग रखकर संक्रमण फैलने से रोका जा सकेगा और समय पर इलाज भी मिल पाएगा। इंस्टीट्यूट के सूत्रों का हवाला देते हुए, 'ढाका ट्रिब्यून' ने बताया कि खसरे की टेस्टिंग किट्स विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) देता है। एक किट से लगभग 90 लोगों की जांच हो सकती है। किट्स की कमी के कारण टेस्टिंग बढ़ाना संभव नहीं हो पा रहा है ।

ट्रंप धमकी मामला: पूर्व एफबीआई डायरेक्टर जेम्स कोमी की कोर्ट में पेशी रद्द करने की मांग, 86-47 पोस्ट बना मुसीबत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कोमी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कथित धमकी देने से जुड़े मामले में नॉर्थ कैरोलिना की अदालत में होने वाली अपनी अगली पेशी रद्द करने की मांग की है। कोमी ने अदालत से कहा है कि वह पहले ही वर्जीनिया में आत्मसमर्पण कर चुके हैं और वहां एक जज के सामने पेश भी हो चुके हैं, इसलिए दोबारा अदालत में पेश होने की जरूरत नहीं है। अमेरिकी न्याय विभाग ने भी उनकी इस मांग का समर्थन किया है। दरअसल, पिछले सप्ताह जेम्स कोमी पर दो आरोपों वाला मामला दर्ज किया गया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने इंस्टाग्राम पर समुद्र किनारे मिले सीपियों की एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें '86 47' अंक बने हुए थे। अभियोजकों का दावा है कि यह पोस्ट राष्ट्रपति ट्रंप को धमकी देने के उद्देश्य से डाली गई थी। ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति हैं, इसलिए '47' को उनसे जोड़ा गया। हालांकि कोमी ने इन आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि उन्होंने इस तस्वीर को सिर्फ एक राजनीतिक संदेश के रूप में देखा था, न कि हिंसा के संकेत के तौर पर। उन्होंने बताया कि जब कुछ लोगों ने इसे धमकी के रूप में लेना शुरू किया, तब उन्होंने वह पोस्ट हटा दी थी।

न्याय विभाग द्वारा जेम्स कोमी पर चलाया गया दूसरा मामला

यह मामला ट्रंप प्रशासन के न्याय विभाग द्वारा जेम्स कोमी के खिलाफ चलाया गया दूसरा मामला है। इससे पहले उन पर कांग्रेस से झूठ बोलने का आरोप लगाया गया था, लेकिन अदालत ने वह मामला यह कहते हुए खारिज कर दिया था ।

ईरान ने यूएस पर लगाया युद्धविराम तोड़ने का आरोप, जवाबी हमले में अमेरिकी जहाजों को नुकसान का दावा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से शुरू हुई जंग फिलहाल युद्धविराम की छांव में है। पर्दे के पीछे से अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत के प्रयास किए जा रहे हैं। लेबनान में भारतीय दूतावास ने खाड़ी क्षेत्र में फंसे पांच भारतीयों को निकाला और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की। इस मिशन के लिए दूतावास ने लेबनान की सरकार का आभार जताया है। दूतावास ने सोशल मीडिया में कहा, पांचों भारतीयों की सुगम वापसी में सहयोग व समर्थन के लिए लेबनानी अधिकारियों का हार्दिक धन्यवाद।

राष्ट्रपति ट्रंप ने की हमले की पुष्टि :अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा- अमेरिका के तीन बड़े युद्धपोत सुरक्षित तरीके से होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर गए, जबकि उन पर हमला किया गया था। ट्रंप के मुताबिक, इन जहाजों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन जवाबी कार्रवाई में ईरान के हमलावर पूरी तरह तबाह हो गए। कई छोटी नावें भी समुद्र में डुबो दी गईं, जिनका इस्तेमाल ईरान अपनी कमजोर पड़ चुकी नौसेना की जगह कर रहा था। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी युद्धपोतों पर मिसाइलें और ड्रोन दागे गए, लेकिन अमेरिकी सेना ने सभी हमलों को हवा में ही नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि ईरान सामान्य देश की तरह व्यवहार नहीं कर रहा और वहां 'कट्टरपंथी' लोग सत्ता चला रहे हैं। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान ने जल्द समझौता नहीं किया तो अमेरिका भविष्य में और ज्यादा कड़ी कार्रवाई करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी युद्धपोत अब फिर से अपनी नौसैनिक नाकेबंदी में शामिल होंगे, जिसे उन्होंने 'स्टील की दीवार' बताया। अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलमार्ग में अपने तीन नौसैनिक जहाजों पर हुए ईरानी हमलों को नाकाम कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि गुरुवार को जब उनके जहाज वहां से गुजर रहे थे, तब ईरान ने उन पर बिना किसी उकसावे के हमला किया। अमेरिकी सेना ने इन हमलों को रोका और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इसके साथ ही अमेरिका ने उन ईरानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जो अमेरिकी सेना पर हमलों के लिए जिम्मेदार थे।दक्षिण लेबनान पर इस्राइली हवाई हमले, 11 लोगों की मौतअल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल ने दक्षिण लेबनान के नबातियेह जिले में हवाई हमले किए हैं। ये हमले दुएर, हारौफ और हब्बौश कस्बों पर हुए। इन हमलों में 11 लोगों की जान चली गई है। मृतको में दो बच्चे भी शामिल हैं। इसके अलावा, इन हमलों में 36 लोग घायल हुए हैं। ईरान ने अमेरिका पर युद्धविराम का उल्लंघन करने का गंभीर आरोप लगाया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के खातम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि अमेरिका ने उनके एक तेल टैंकर को निशाना बनाया। यह टैंकर जास्क क्षेत्र से होर्मुज जलमार्ग की तरफ जा रहा था। इसके अलावा, अमेरिका ने संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह बंदरगाह के पास एक और जहाज पर हमला किया। ईरान का कहना है कि अमेरिका ने कुछ क्षेत्रीय देशों के साथ मिलकर खमीर, सीरिक और केश्म द्वीप के रिहायशी इलाकों पर भी हवाई हमले किए हैं। ईरान की सेना ने इन हमलों का तुरंत बदला लिया। ईरान ने होर्मुज जलमार्ग के पूर्व और चाबहार बंदरगाह के दक्षिण में अमेरिकी सैन्य जहाजों पर हमला किया। ईरान का दावा है कि इस जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी जहाजों को भारी नुकसान पहुंचा है। ईरान ने अमेरिका और उसके साथियों को कड़ी चेतावनी दी है। ईरान ने कहा है कि वह किसी भी हमले का बिना किसी हिचकिचाहट के करारा जवाब देगा।

ग्रेटर नोएडा: काम छोड़कर हड़ताल पर बैठे डिपो के कर्मचारी, वेतन नहीं बढ़ने पर भारी आक्रोश

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। बढ़े हुए वेतन की मांग को लेकर ग्रेटर नोएडा डिपो परिसर में कर्मचारी हड़ताल पर बैठ गए हैं। यह सभी कर्मचारी डिपो परिसर में श्यामा कंपनी से जुड़कर काम कर रहे हैं। कर्मचारियों की मांग है कि लागू किए गए वेतन के आधार पर उनको भी वेतन दिया जाए। हड़ताल पर बैठे कर्मचारी डिपो में मेंटेनेंस से लेकर मैकेनिक तक का काम करते हैं। कर्मचारियों की मांग है कि जो हाल ही में बढ़ा हुआ वेतन लागू किया गया है, उसी के आधार पर उनका वेतन मिलना चाहिए। अपनी मांगों को लेकर आज सुबह से ही कर्मचारी हड़ताल पर बैठ गए हैं।

गाजियाबाद में 33 निर्माण कार्यों पर खर्च होंगे 6.42 करोड़, बनेंगी नालियां और इंटरलॉकिंग सड़कें

गाजियाबाद, एजेंसी। नगर निगम 33 निर्माण कार्यों पर छह करोड़ से अधिक रूपये खर्च करेगा। अधिकारियों के आदेश पर शहर और आसपास की कालोनियों में नाली व इंटरलाकिंग सड़क निर्माण के लिए जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) ने 33 निर्माण कार्यों की टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन सभी परियोजनाओं पर करीब छह करोड़ 42 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। डूडा की ओर से इसके टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। डूडा के प्रभारी व अपर नगर आयुक्त अवनीन्द्र सिंह ने बताया कि लंबे समय से जलभराव और खराब सड़कों की समस्या वाले क्षेत्रों में उक्त कार्य कराये जाएंगे। लोनी, मोदीनगर और नगर पालिका खोड़ा की कालोनियों में भी काम होंगे। नई गढ़ी, करहैड़ा, कृष्णा विहार, सुदामापुरी, अकबरपुर बहरामपुर, संदीप गार्डन, कृष्णा नगर बागू और भीम नगर जैसे इलाकों में नाली व इंटरलाकिंग टाइल्स की सड़कें बनाई जाएंगी। लोनी के विकास नगर, न्यू विकास नगर, वर्धमानपुरम और बंजारा कालोनी में भी कई गलियों का निर्माण कराया जाएगा।

बालीपारा में सड़क दुर्घटना, बाइक सवार युवक की हुई मौत

शोणितपुर (असम), एजेंसी। शोणितपुर जिले के बालीपारा में एक सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मृतक की पहचान अनुपम सरकार के रूप में हुई है। वह बालीपारा के समीप स्थित सरूपाट गांव का निवासी बताया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे एएस-12-एम-3934 नंबर की बाइक के साथ एक युवक घायल अवस्था में दिखाई दिया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत चारदुआर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही चार्दुिआर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को गंभीर हालत में बालीपारा अस्पताल ले गई। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में एक युवक की मौत

नगांव (असम), एजेंसी। नगांव जिले के कोलियाबर इलाके में हुए एक सड़क हादसे में एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि, अन्य एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि जिले के कोलियाबर के सिलघाट इलाके में तेज रफ्तार वाहन द्वारा ठोकर मारे जाने से एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य एक युवक को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृत युवक की पहचान सीलघाट के सोनाराम गोगोई के रूप में की गई है। वहीं घायल युवक की पहचान गौतम सैकिया के के रूप में की गई है। घटना के समय दोनों सड़क किनारे बांस के बने बैठने वाले आसन पर बैठकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस मृत युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जबकि, घायल युवक का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है ।पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

हाथी के हमले में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत

तामुलपुर (असम), एजेंसी। तामुलपुर जिले के बाथौपूरी इलाके में जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में घायल व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीते 4 मई को बाथौपूरी चौक पर जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में बगाजूली कुमगुरी निवासी काटें मुसाहारी नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये थे। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में गंभीर अवस्था में भर्ती कराया गया था। जहां पर इलाज के दौरान बीती रात उसकी मौत हो गई। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। इस घटना के लिए स्थानीय लोगों ने वन विभाग को जिम्मेदार ठहराया है। स्थानीय लोगों कहना है कि इलाके में आए दिन जंगली हाथी खाद्य की तलाश में आकर जमकर उपद्र मचाते हैं। वहीं वन विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। जिसके वजह से यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि आने वाले समय में अगर वन विभाग जंगली हाथियों को खदेड़ने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाएता है तो जान माल का भारी नुकसान हो सकता है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिक दर्ज कर लिया है।

जिम में धर्मांतरण का मामला: पुलिस ने 6000 पेज की दाखिल की चार्टशीट, 10 आरोपी हैं जेल में

मिर्जापुर,एजेंसी। जिम में महिलाओं से दोस्ती के बाद उनकी अश्लील वीडियो बनाकर वसूली करने और धर्मांतरण करने के मामले में पुलिस ने छह हजार पेज की चार्जशीट (आरोप पत्र) कोर्ट में प्रस्तुत की है। मामले में गिरफ्तार आरोपियों की जिला जज के यहां से पहले ही जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। मजिस्ट्रेट न्यायालय में आरोप पत्र पेश होने के बाद अब गवाहों के बयान आदि दर्ज करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी। देहात कोतवाली में 19 जनवरी को दो युवतियों ने जिम में धर्मांतरण कराने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें केजीएन बनाकर पैसा वसूलते थे।

'हर वीर जवान हमारा गौरव' : सैनिक सम्मान कार्यक्रमों से गूंजा सीधी जिला

ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर शहीदों को श्रद्धांजलि पूर्व सैनिकों और वीर जवानों के परिजनों का सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर सीधी जिला राष्ट्रभक्ति, वीरता और सैनिक सम्मान की भावना से ओतप्रोत नजर आया जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय सेना के शौर्य, बलिदान और राष्ट्रसेवा को नमन करते हुए पूर्व सैनिकों एवं वीर जवानों के परिजनों का सम्मान किया गया चुरहट विधानसभा अंतर्गत ग्राम डढ़िया स्थित शासकीय कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने अमर शहीद सुधाकर सिंह बघेल को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान करते हुए कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिक राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय ने देश की सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इसी क्रम में विधायक रीती पाठक द्वारा गांधी चौराहा सीधी में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय सेना के वीर जवानों के अदम्य साहस, शौर्य एवं बलिदान को नमन किया गया। कार्यक्रम के दौरान वीर सैनिकों के परिजनों एवं पूर्व सैनिकों का सम्मान कर उनके योगदान को स्मरण किया गया विधायक रीती पाठक ने कहा कि सैनिकों का त्याग और समर्पण देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

वहीं कुसमी विकासखंड के गोतरा में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान सांसद डॉ. राजेश मिश्रा एवं विधायक कुंवर सिंह टेकाम द्वारा पूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया जनप्रतिनिधियों ने सैनिकों के त्याग, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना को देश की अमूल्य धरोहर बताते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। जिलेभर में आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से देशभक्ति और सैनिक सम्मान का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। नागरिकों ने एक स्वर में कहा देश की रक्षा में समर्पित हर वीर जवान हमारा गौरव है। ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर आयोजित इन कार्यक्रमों ने न केवल वीर सैनिकों के सम्मान को नई ऊंचाई दी बल्कि युवाओं में राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत गुड्डुआधार एवं खोखरा में मछुआ चौपाल आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा घोषित कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत मछुआरों को शासकीय योजनाओं से जोड़ने एवं मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में मछुआ चौपालों का आयोजन किया जा रहा है जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में मत्स्य विभाग द्वारा आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से मत्स्यपालकों को आधुनिक तकनीक एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की जा रही है सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने जानकारी देते हुए बताया कि 07 मई 2026 को प्रथम सत्र में विकासखंड कुसमी अंतर्गत ग्राम पंचायत गुड्डुआधार में मछुआ चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कविता स्व सहायता समूह गुड्डुआधार की अध्यक्ष आरती साहू द्वारा की गई। इस दौरान समूह के सदस्यों एवं उपस्थित मत्स्यपालकों को मत्स्य पालन की उन्नत तकनीक, उत्पादन वृद्धि के उपाय तथा विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही कविता स्व सहायता समूह का एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीयन भी कराया गया इसी क्रम में द्वितीय सत्र में बरचर जलाशय के समीप स्थित पर्यटक ग्राम खोखरा, विकासखंड कुसमी में भी मछुआ चौपाल आयोजित की गई कार्यक्रम में आदिवासी मत्स्य सहकारी समिति खोखरा बड़काडोल के सदस्यों एवं आसपास के अनुसूचित जनजाति वर्ग के मत्स्यपालकों ने सहभागिता की इस दौरान उन्हें मत्स्य पालन की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड, बचत सह राहत योजना, दुर्घटना बीमा योजना सहित अन्य लाभकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने मत्स्यपालकों को योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनने तथा आय वृद्धि के लिए आधुनिक मत्स्य पालन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

09 मई को वर्ष की दूसरी नेशनल लोक अदालत,तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागलाल दिनकर के मार्गदर्शन में वर्ष की दूसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 09 मई 2026 को जिला न्यायालय सीधी सहित सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में किया जाएगा। आगामी लोक अदालत की तैयारियों को लेकर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विनोद कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समस्त न्यायिक अधिकारीगण एवं विद्युत विभाग तथा नगर पालिका के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई बैठक में लोक अदालत की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर पक्षकारों को लोक अदालत के माध्यम से त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने पर बल दिया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मुकेश कुमार शिवहरे ने बताया कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, सिविल प्रकरण, चेक बाउंस, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, विद्युत अधिनियम से संबंधित प्रकरण तथा धन वसूली प्रकरणों का निराकरण पक्षकारों की आपसी सहमति से किया जाएगा उन्होंने कहा कि लोक अदालत का उद्देश्य लंबित मामलों का त्वरित, सस्ता और सुलभ समाधान सुनिश्चित करना है जिससे न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण हो सके और पक्षकारों को राहत मिले बैठक में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विनोद कुमार वर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे, न्यायिक मजिस्ट्रेट सोनू जैन, विद्युत विभाग के सहायक यंत्री मनोज कुमार, मनबहोर पटेल तथा नगर पालिका के आर.आई. ललोहर प्रसाद साहू उपस्थित रहे।

09 मई की नेशनल लोक अदालत में विद्युत प्रकरणों पर विशेष छूट, उपभोक्ताओं को मिलेगा बड़ा लाभ

धारा 135 , 138 एवं 126 के मामलों में ब्याज पर 100 प्रतिशत तक राहत, एकमुश्त भुगतान पर मिलेगा लाभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अधीक्षण अभियंता, म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश शासन ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135, 138 एवं 126 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु 09 मई 2026 (शनिवार) को आयोजित नेशनल लोक अदालत में पात्र उपभोक्ताओं को विशेष छूट प्रदान की जाएगी उन्होंने बताया कि इस विशेष छूट का लाभ समस्त घरेलू उपभोक्ताओं, कृषि उपभोक्ताओं 5 किलोवाट भार तक के गैर घरेलू उपभोक्ताओं तथा 10 अश्वशक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को दिया जाएगा प्री-लिटिगेशन एवं लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों में निर्धारित शर्तों के अनुसार बकाया राशि पर लगने वाले ब्याज में 100 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान किया गया है अधिकारियों के अनुसार प्री-लिटिगेशन स्तर के मामलों में सिविल दायित्व राशि के भुगतान में विलंब पर लगने वाले ब्याज में पूर्ण छूट दी जाएगी जबकि लिटिगेशन स्तर के मामलों में निर्धारित अवधि के बाद देय ब्याज राशि पर भी 100 प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी यह सुविधा अधिकतम 10 लाख रुपये तक की सिविल दायित्व राशि वाले प्रकरणों पर लागू होगी। छूट का लाभ प्राप्त करने के लिए उपभोक्ताओं को निर्धारित शेष राशि का एकमुश्त भुगतान करना अनिवार्य होगा साथ ही संबंधित उपभोक्ता के नाम पर दर्ज अन्य विद्युत संयोजनों के बकाया देयों का भुगतान भी आवश्यक रहेगा जिन उपभोक्ताओं के नाम पर वैध विद्युत संयोजन नहीं है उन्हें छूट का लाभ प्राप्त करने के लिए विधिक संयोजन लेना अनिवार्य होगा। अधीक्षण अभियंता ने स्पष्ट किया कि विद्युत चोरी अथवा अनाधिकृत उपयोग के मामलों में यह छूट केवल पहली बार प्रकरण में शामिल उपभोक्ताओं को ही दी जाएगी पूर्व में लोक अदालतों के माध्यम से छूट प्राप्त कर चुके उपभोक्ता इस योजना के पात्र नहीं होंगे साथ ही सामान्य विद्युत बिलों की बकाया राशि पर किसी प्रकार की छूट प्रदान नहीं की जाएगी। अधीक्षण अभियंता ने पात्र उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 09 मई 2026 को आयोजित नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने प्रकरणों का निराकरण कर शासन द्वारा दी जा रही विशेष छूट का लाभ प्राप्त करें।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर प्रगणक को कारण बताओ नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनगणना-2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण कार्य में लापरवाही बरतने पर प्राथमिक शिक्षक एवं प्रगणक पंकज कुमार सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है कार्यालय तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी जनगणना तहसील गोपद बनास द्वारा जारी नोटिस में उल्लेख किया गया है कि संबंधित प्रगणक द्वारा जनगणना कार्य प्रारंभ नहीं किया गया तथा पूर्व में प्रस्तुत जवाब भी संतोषजनक नहीं पाया गया इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए प्रशासन ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। कलेक्टर विकास मिश्रा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए हैं कि संबंधित कर्मचारी 24 घंटे के भीतर अपना स्पष्ट एवं संतोषजनक जवाब प्रस्तुत करें उन्होंने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्धारित समय सीमा में जवाब प्राप्त नहीं होने अथवा जवाब असंतोषजनक पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना कार्य को गंभीरता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं ताकि इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

कलेक्टर ने किया मझौली उपखंड का विस्तृत निरीक्षण, जनसेवाओं में सुधार के दिए निर्देश

लोकसेवा गारंटी जनगणना कार्य एवं स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा, लापरवाही पर नोटिस के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा मझौली उपखंड का विस्तृत भ्रमण कर विभिन्न शासकीय कार्यालयों जनसेवा व्यवस्थाओं एवं जनगणना कार्यों का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशासनिक कार्यों की गुणवत्ता, रिकॉर्ड संधारण, जनसुविधाओं एवं विभागीय कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तहसील कार्यालय के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने लोकसेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत प्रदर्शित किए जाने वाले डिस्प्ले बोर्ड के अनुपस्थित पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की उन्होंने कहा कि आमजन को उपलब्ध सेवाओं एवं समय-सीमा की स्पष्ट जानकारी मिलना आवश्यक है इस पर उन्होंने शीघ्र डिस्प्ले बोर्ड स्थापित कराने के निर्देश दिए साथ ही तहसील कार्यालय में आम नागरिकों की सुविधा एवं मार्गदर्शन के लिए हेल्पडेस्क बनाए जाने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने तहसील कार्यालय में उपस्थित प्रवाचकों एवं मैदानी कर्मचारियों से चर्चा कर उन्हें शासकीय कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक कर्मचारी को संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा। इसके बाद कलेक्टर ने जनगणना कार्य की प्रगति की समीक्षा की उन्होंने प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों से जानकारी प्राप्त कर कार्य की गुणवत्ता का परीक्षण किया निरीक्षण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित प्रगणक एवं सुपरवाइजर को कड़ी चेतावनी देते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके पश्चात कलेक्टर ने जनपद पंचायत मझौली की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड एवं रजिस्टरों के व्यवस्थित संधारण पर संतोष व्यक्त किया गया।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार एवं डिप्टी कलेक्टर सह परियोजना अधिकारी प्रिया पाठक के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन नगर पालिका सीधी के सभा कक्ष में संपन्न हुआ कार्यशाला में जिले के समस्त नगरीय निकायों के बैंक प्रबंधक, लीड बैंक प्रबंधक, संबंधित अधिकारी तथा स्व-सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के उद्देश्यों, निर्धारित लक्ष्यों, वर्तमान प्रगति तथा पात्र हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभ उपलब्ध कराने संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई डिप्टी कलेक्टर सह परियोजना अधिकारी प्रिया पाठक ने बैंक प्रबंधकों के साथ समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि 30 सितंबर 2026 तक शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध रूप से ऋण स्वीकृति एवं वितरण किया जाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि स्वरोजगार को बढ़ावा मिल सके और छोटे व्यवसायियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का उद्देश्य केवल ऋण उपलब्ध कराना नहीं है बल्कि शहरी क्षेत्र के छोटे व्यापारियों, स्ट्रीट वेंडरों एवं स्व-रोजगार से जुड़े लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है इसके लिए बैंकिंग संस्थाओं और विभागीय अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। कार्यशाला में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी विभागों एवं बैंकिंग संस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित कर कार्य करने पर विशेष जोर दिया गया अधिकारियों ने कहा कि हितग्राहियों को योजना की जानकारी सरल भाषा में दी जाए जिससे अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें ।

दुआरी, कोचिटा, उमरिहा एवं खुटेली में 09 मई को लगेंगे विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से 09 मई 2026 को विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा आदेश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार 09 मई को प्रातः 09 बजे से दोपहर 01 बजे तक विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की चयनित ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित होंगे। इनमें धौहनी विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत दुआरी सीधी विधानसभा अंतर्गत कोचिटा चुरहट विधानसभा अंतर्गत उमरिहा तथा सिहावल विधानसभा अंतर्गत खुटेली शामिल हैं इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों को स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार परामर्श एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी शिविरों में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय विभाग तथा आयुष विभाग की संयुक्त भागीदारी रहेगी जिससे ग्रामीणों को समेकित स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होंगी शिविरों के संचालन हेतु संबंधित क्षेत्रों के सीडीपीओ एवं बीएमओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है शिविरों का आयोजन ग्राम पंचायत भवन सामुदायिक भवन अथवा अन्य शासकीय भवनों में किया जाएग जिला प्रशासन द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत ग्राम पंचायतों में मुनादी कराई जाएगी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी जानकारी दी जाएगी ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण इन शिविरों का लाभ उठा सकें।

रेड क्रॉस सप्ताह का गरिमामय समापन,छात्राओं ने लिया सेवा का संकल्प

सीधी कन्या महाविद्यालय में सप्ताहभर चले सेवा, स्वास्थ्य एवं जागरूकता कार्यक्रमों का समापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में रेड क्रॉस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सप्ताहव्यापी कार्यक्रम का गरिमामय समापन शुक्रवार को महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुआ सप्ताहभर आयोजित सेवा, स्वास्थ्य एवं जागरूकता गतिविधियों ने छात्राओं में मानव सेवा, सहयोग एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यक्रम संयोजक डॉ. प्रतिमा कौल ने सप्ताहभर आयोजित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान निराश्रित एवं वृद्धजनों के लिए सेवा कार्य, नशा मुक्ति जनजागरूकता अभियान, प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर प्रशिक्षण, युवक रेड क्रॉस संगोष्ठी, स्वच्छता, जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यक्रमों के साथ स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किए गए इन सभी गतिविधियों में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार साहू ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक जागरूकता, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं मानव सेवा की भावना अत्यंत आवश्यक हो गई है उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस स्थापना दिवस सप्ताह के माध्यम से छात्राओं ने न केवल विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने और सेवा भावना को आत्मसात करने का प्रयास भी किया है उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं बल्कि उसे समाज के कल्याण में उपयोग करना भी है रेड क्रॉस जैसी संस्थाएं मानवता की सेवा के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती हैं जिससे युवा पीढ़ी में संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम के अंत मेंडॉ. दीप्ति सिंह ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक सहयोग, सेवा भावना एवं सक्रिय सहभागिता से रेड क्रॉस स्थापना दिवस सप्ताह का आयोजन सफल एवं प्रेरणादायी रूप में संपन्न हो सका।

हिंसा अस्वीकार्य : बंगाल में कानूनी व्यवस्था की हो बहाली

संपादकीय

छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बावजूद पश्चिम बंगाल में कमोबेश शांतिपूर्ण मतदान हुआ था। लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हो रही हिंसा की घटनाएं परेशान करने वाली हैं। भाजपा व टीएमसी के कुछ समर्थकों में हिंसक झड़पों के अलावा राज्य में पार्टी के अगु?वा रहे सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या चौंकाने वाली है। इससे दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। राज्य में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार सुवेंदु अधिकारी का दावा है कि रथ की हत्या उनके करीबी होने के कारण की गई है। वहीं चंद्रनाथ के परिजनों का आरोप है कि यह हत्या ममता बनर्जी की भवानीपुर में अधिकारी से हुई हार का बदला लेने के लिये की गई है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान कुछ भाजपा व टीएमसी कार्यकर्ताओं की भी हत्या की गई है। दरअसल, पंद्रह साल से सत्ता में काबिज रही टीएमसी पर भाजपा की बड़ी जीत ने दोनों पार्टियों के बीच तनाव को बढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने केवल चुनाव परिणामों को ही खारिज नहीं किया, बल्कि मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने तक से मना कर दिया। उनकी इस घोषणा ने लंबे समय से जारी टकराव को बढ़ाने का काम ही किया। इस घटनाक्रम से टीएमसी कार्यकर्ताओं को आक्रामक होने का मौका मिला। निश्चय ही यह स्थिति राज्य के हित में नहीं कही जा सकती। राज्य में कानून व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किए जाने की जरूरत है। कायदे में चुनाव परिणाम सामने आने के बाद ममता को सदाशयता का परिचय देते हुए कार्यकर्ताओं से शांत रहने की अपील राज्य हित में करनी चाहिए। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा को भी अपने कार्यकर्ताओं को शांत रहने के लिये प्रेरित करना चाहिए। उन्हें चुनाव परिणाम सामने आने के बाद हिंसा से परहेज करना चाहिए। यही लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी है। यह विडंबना ही है कि चुनाव आयोग द्वारा राज्य के अधिकारियों को विजय जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने के बाद भी दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं। ऐसी स्थिति में राज्य पुलिस को हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाते हुए, केंद्रीय बलों के साथ कानून व्यवस्था बहाल करने के लिये मिलकर काम करना चाहिए। यूं तो पूरे राज्य में ही, अन्यथा खासकर संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ायी जानी चाहिए। हिंसक वारदातों व तोड़फोड़ में शामिल लोगों की पहचान करके उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल से संबद्धता की परवाह किए बिना उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना वक्त की जरूरत है। भाजपा व टीएमसी को अपने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने को कहना चाहिए।

सीमा से पूंजी तक सख्तीः राष्ट्रीय सुरक्षा के नए दौर में भारत का स्पष्ट संदेश- भरोसे से पहले सतर्कता जरूरी

कांतिलाल मांडोत

भारत ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि उसकी आर्थिक नीतियां अब केवल विकास के आंकड़ों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के व्यापक दृष्टिकोण से संचालित होंगी। विदेशी निवेश (एफडीआइ) के नियमों में हालिया सख्ती इसी दिशा में उठाया गया एक ठोस कदम है, जो न केवल आर्थिक ढांचे को सुरक्षित बनाने की कोशिश है, बल्कि उन खतरों के प्रति जागरूकता भी दर्शाता है जो सीमाओं के पार से अदृश्य रूप में देश में प्रवेश कर सकते हैं। पाकिस्तान से आने वाले निवेश पर सीधी पाबंदी और सरकार की पूर्व अनुमति को अनिवार्य बनाना इसी सोच का हिस्सा है।

यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संदेश भी है। वर्षों से भारत आतंकवाद, घुसपैठ और आर्थिक गतिविधियों के जरिए अस्थिरता फैलाने के प्रयासों का सामना करता रहा है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि निवेश जैसे संवेदनशील माध्यमों का दुरुपयोग न हो। पैसा केवल विकास का साधन नहीं होता, वह प्रभाव और नियंत्रण का माध्यम भी बन सकता है। यदि उस पर निगरानी न हो, तो यह राष्ट्रीय हितों के खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है।

सरकार का यह निर्णय खास तौर पर इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि यह केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं है। जिन देशों की भारत के साथ भूमि सीमा लगती है, उन सभी के लिए यही नियम लागू होंगे। इसका मतलब यह है कि अब कोई भी निवेश, चाहे वह सीधे आए या किसी तीसरे देश के जरिए, उसकी पूरी जांच होगी। 'बेनिफिशियल ओनर' यानी वास्तविक मालिक की पहचान पर जोर देकर सरकार ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि निवेश के पीछे छिपे वास्तविक स्रोत को उजागर किया जा सके।

इस कदम के पीछे की सबसे बड़ी चिंता राष्ट्रीय सुरक्षा है। रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्र केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी बेहद संवेदनशील हैं। इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का विदेशी हस्तक्षेप, खासकर उन देशों से जिनके साथ भारत के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं, जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए इन क्षेत्रों में पाकिस्तान से निवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाना एक स्वाभाविक और आवश्यक निर्णय माना जा सकता है।

इतिहास गवाह है कि पाकिस्तान ने कई बार भारत के खिलाफ अप्रत्यक्ष तरीकों का सहारा लिया है। आतंकवाद को समर्थन, हवाला के जरिए फंडिंग, और अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा देना–ये सब ऐसे उदाहरण हैं जिनके कारण भारत को हमेशा सतर्क रहना पड़ा है। ऐसे में यह उम्मीद करना कि आर्थिक निवेश के जरिए कोई खतरा नहीं होगा, वास्तविकता से आंख मूंदने जैसा होगा। इसलिए यह जरूरी है कि हर निवेश को केवल आर्थिक अवसर के रूप में न देखा जाए, बल्कि उसके संभावित प्रभावों का भी आकलन किया जाए।

यहां यह समझना भी जरूरी है कि भारत का यह कदम किसी देश के खिलाफ नफरत या भेदभाव पर आधारित नहीं है, बल्कि यह एक व्यावहारिक और सुरक्षा-केंद्रित नीति है। हर देश अपने हितों की रक्षा के लिए ऐसे कदम उठाता है। अमेरिका, चीन और यूरोप के कई देश भी संवेदनशील क्षेत्रों में विदेशी निवेश को लेकर सख्त नियम रखते हैं। ऐसे में भारत का यह निर्णय वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप ही है।

लेकिन इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत को अब भावनात्मक नहीं, बल्कि यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना होगा। पाकिस्तान के साथ संबंधों का इतिहास विश्वास से अधिक अविश्वास का रहा है। हर बार जब संवाद और सहयोग की बात हुई, किसी न किसी रूप में विश्वास को ठेस पहुंची। ऐसे में आर्थिक संबंधों में भी सतर्कता बरतना आवश्यक हो जाता है।

भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और दुनिया भर के निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। ऐसे में यह जरूरी है कि निवेश के दरवाजे खुले रहें, लेकिन उन पर मजबूत चौकीदारी भी हो। यह संतुलन ही भारत को सुरक्षित और मजबूत बनाएगा।

पश्चिम बंगाल में जनादेश 2026- सत्ता का नया सवेरा -9 मई 2026 रबिन्द्रनाथ टैगोर की जयंती

जनादेश 2026-नई सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वह अपने वादों को समयबद्ध और प्रभावी तरीके से लागू करे , ताकि जनता का विश्वास बना रहे जब कोई नेतृत्व जनता की अपेक्षाओं से दूर जाने लगता है या उसे हल्के में लेने की भूल करता है , तो वही जनता उसे सत्ता के शिखर से नीचे लाने में देर नहीं करती वैश्विक स्तरपर भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते , बल्कि वे जनता की सामूहिक चेतना , राजनीतिक परिपक्वता और शासन के प्रति अपेक्षाओं का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब होते हैं।4 मई 2026 को आए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह स्थापित कर दिया कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के हाथ में ही निहित होती है। जब कोई नेतृत्व जनता की अपेक्षाओं से दूर जाने लगता है या उसे हल्के में लेने की भूल करता है , तो वही जनता उसे सत्ता के शिखर से नीचे लाने में देर नहीं करती।

नई सरकार का शपथ ग्रहण -कई गंभीर चुनौतियां

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

इस चुनाव में एक ऐतिहासिक और अप्रत्याशित परिणाम सामने आया, जहां न केवल सत्ता परिवर्तन हुआ बल्कि तीन-तीन वर्तमान मुख्यमंत्रियों की हार ने लोकतांत्रिक व्यवस्था की गहराई और शक्ति को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित किया। पश्चिम बंगाल में 206 सीटों के अभूतपूर्व जनादेश के साथ सत्ता परिवर्तन ने भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय खोल दिया है, जिसकी गूंज राष्ट्रीय सीमाओं से परे अंतरराष्ट्रीय मंचों तक सुनाई दे रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि पश्चिम बंगाल का यह चुनाव परिणाम केवल आंकड़ों का खेल नहीं है,बल्कि यह एक गहरे राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन का संकेतक है। लंबे समय तक राज्य की राजनीति पर प्रभाव रखने वाली ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीमसी को इस चुनाव में करारा झटका लगा। विशेष रूप से भवानीपुर जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली सीट से उनकी हार ने यह स्पष्ट कर दिया कि मतदाता अब परंपरागत राजनीतिक समीकरणों से आगे बढ़कर बदलाव की ओर देख रहा है। दूसरी ओर, बीजेपी की यह जीत न केवल ऐतिहासिक है बल्कि यह उनके लंबे राजनीतिक संघर्ष और

रणनीतिक विस्तार का परिणाम भी है।2014 में सीमित उपस्थिति से शुरू हुई यात्रा, 2019 में मजबूती, 2021 में चुनौतियों का सामना और अंततः 2026 में स्पष्ट बहुमत यह क्रमिक विकास भाजपा के संगठनात्मक कौशल और रणनीतिक सोच को सटीक रूप से दर्शाता है।

साथियों पश्चिम बंगाल में चुनावी नतीजे के बाद अब सरकार बनाने की हलचल तेज हो गई है जहां 206 सीटें जीतकर एक इतिहास रच दिया गया है सबसे चौकनें वाली बात टीएमसी को 80 सीटें व उनके लिए सबसे सुरक्षित सीट मानी जाने वाली भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से 15000 से अधिक वोटो से खुद ममता बनर्जी का हार जाना तथा अब वहां आरोप प्रत्यारोप व समाधान का दौर बहुत तेजी से शुरू हो गया है जो स्वाभाविक रूप से हर राज्य के विधानसभा चुनाव व सांसद के चुनाव में होता रहता है, अपनी खींज़ निकलते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 100 से अधिक सीटों पर धांधली एवं गड़बड़ियाँ हुई है उन्होंने चुनाव आयोग को भाजपा का कमीशन बताते हुए कहा कि उन्होंने चुनाव एजेंटों को घुसने नहीं दिया,तो इसके जवाब में भाजपा ने कहा कि यह जीत सिर्फ भाजपा की नहीं बल्कि उन सभी सनातनियों हिंदू बौद्ध सिख जैन सहित सभी समुदायों की जीत है बंगाल में 17वीं विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को समाप्त हो रहा है, 9 मई को शपथ ग्रहण के साथ एक नईराजनीतिक पारी की औपचारिक शुरुआत हो जाएगी जिस पर पूरे विश्व की नजर लगी हुई है, साथ ही वैश्विक व घरेलू निवेशकों शेयर बाजार व विकास के बुनियादी ढांचों व राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भी पूरे विश्व की नज़रें लगी हुई है। बता दें भाजपा इतिहास में पहली बार पश्चिम बंगाल में सरकार बनाने जा रही है राजनीति के गलियारों में सुवेंदुअधिकारी का मुख्यमंत्री के रूप में चयन की चर्चा जोरों से चल रही है जिसपर केंद्रीय नेतृत्व के साथ मंथन बाद आधिकारिक मोहर लगेगी पीएम ने यह संदेश पहले ही दे दिया था कि उनकी पार्टी का फोकस बदलाव पर होगा बदले पर नहीं राज्य में हिंसा को जड़ से समाप्त कर पूरी तरह विकास की नई राजनीति शुरू होगी ।

भारत की अर्थव्यवस्था आंकड़ों का उत्सव या आम आदमी की परीक्षा?

अमित गौतम ऋषि

भारत इस समय एक अद्भुत दौर से गुजर रहा है। मीडिया पर अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेज़ बढ़ती अर्थव्यवस्था घोषित हो चुकी है, नेताओं के भाषणों में भारत विश्वगुरु बनने ही वाला है, और सोशल मीडिया पर हर तीसरा व्यक्ति देश को अमेरिका से आगे निकलता हुआ देख रहा है। बस एक छोटी–सी समस्या है मोहल्ले का बेरोज़गार युवक अब भी नौकरी की तलाश में है, किसान अब भी मौसम और बाज़ार दोनों से लड़ रहा है, और मध्यमवर्ग अपनी आय से ज़्यादा EMI की गणित समझने में व्यस्त है। आज भारत में विकास का एक नया गणित चल रहा है। यदि सड़क बन जाए तो विकास, यदि एयरपोर्ट बन जाए तो विकास, यदि बड़ी–बड़ी इमारतें दिख जाएँ तो विकास। लेकिन यदि किसी सरकारी अस्पताल में दवा न मिले, स्कूल में शिक्षक न हों, या युवा डिग्री लेकर भी रोजगार के लिए भटकता रहे तो उसे व्यवस्था सुधार की प्रक्रिया कह दिया जाता है। यह विडंबना ही है कि जिस देश में कभी सादा जीवन, उच्च विचार की परंपरा थी, वहाँ अब महँगा जीवन और ऊँचे विज्ञापन विकास का प्रतीक बनते जा रहे हैं।

नेताओं के भाषणों में अर्थव्यवस्था अंतरिक्ष में पहुँच चुकी है, लेकिन रसोई गैस और दाल के दाम सुनकर आम आदमी आज भी धरती पर ही गिर पड़ता है। भारत की अर्थव्यवस्था निश्चित रूप से मजबूत हुई है। डिजिटल क्रांति ने दुनिया को चौंकाया है। UPI जैसी व्यवस्था ने छोटे दुकानदार तक को तकनीक से जोड़ दिया। स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं में आत्मविश्वास पैदा किया। भारत अंतरिक्ष, रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है।

यह उपलब्धियाँ केवल सरकार की नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की मेहनत का परिणाम हैं। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि केवल GDP बढ़ने से राष्ट्र महान नहीं बनता। यदि विकास कुछ बड़े शहरों तक सीमित रह जाए और गाँव केवल चुनावी भाषणों का हिस्सा बनकर रह जाएँ, तो अर्थव्यवस्था का संतुलन टूटने लगता है आज सबसे बड़ा प्रश्न बेरोज़गारी है। देश का युवा डिग्रियों का बोझ लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की अनंत कतारों में खड़ा है कई बार परीक्षा होती है तो पेपर लीक हो जाता है, और यदि परीक्षा सफलतापूर्वक हो जाए तो नियुक्ति वर्षों तक अटक जाती है। ऐसे में युवा विश्वगुरु का सपना तो सुनता है, लेकिन उसका अपना भविष्य धुंधला दिखाई देता है। कृषि की स्थिति भी चिंताजनक है जिस किसान को 'अन्नदाता' कहा जाता है, वही अपनी उपज का उचित मूल्य पाने के लिए सड़कों पर आंदोलन करता दिखाई देता है। एक ओर कृषि को राष्ट्र की रीढ़ कहा जाता है, दूसरी ओर गाँवों से पलायन लगातार बढ़ रहा है यदि भारत को वास्तव में विश्वगुरु बनना है तो सबसे पहले गाँवों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाना होग विश्वगुरु बनने का अर्थ केवल आर्थिक शक्ति नहीं है। यदि केवल धन से ही विश्वगुरु बना जा सकता, तो इतिहास में सबसे धनी साम्राज्य ही सबसे सम्मानित कहलाते भारत की वास्तविक शक्ति उसकी संस्कृति, सहिष्णुता, ज्ञान परंपरा और मानवीय दृष्टि में रही है।

यह वही भूमि है जिसने दुनिया को बुद्ध दिया, योग दिया, अहिंसा दी और 'वसुधैव कुटुंबकम्' का संदेश दिया। आज दुनिया युद्ध, मानसिक तनाव, पर्यावरण संकट और सांस्कृतिक विघटन से जूझ रही है ऐसे समय में भारत के पास अवसर है कि वह केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक नेतृत्व भी स्थापित करे परंतु इसके लिए कुछ कठोर और ईमानदार कदम उठाने होंगे सबसे पहले शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बदलना होगा ऐसी शिक्षा चाहिए जो केवल परीक्षा पास करना न सिखाए, बल्कि सोचने, निर्माण करने और नेतृत्व करने की क्षमता दे भारत का युवा नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि अवसर पैदा करने वाला बने यही वास्तविक परिवर्तन होगा दूसरा, स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना होगा एक गरीब व्यक्ति यदि बीमारी के कारण कर्ज में डूब जाए, तो किसी भी अर्थव्यवस्था की चमक खोखली लगने लगती है। विश्वगुरु वही राष्ट्र बन सकता है जहाँ गरीब को भी सम्मानजनक इलाज मिले तीसरा, राजनीति को केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं, राष्ट्र निर्माण का साधन बनाना होगा जब राजनीति समाज को जोड़ने के बजाय बाँटने लगे, तब विकास की गति धीमी हो जाती है देश को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो अगला चुनाव नहीं, अगली पीढ़ी के भविष्य के बारे में सोचे चौथा, स्वदेशी उद्योग और अनुसंधान को प्राथमिकता देनी होगी।भारत यदि केवल विदेशी कंपनियों का बाजार बनकर रह गया, तो आत्मनिर्भरता का सपना अधूरा रह जाएगा हमें निर्माण, विज्ञान और तकनीक में विश्व स्तर की पहचान बनानी होगी सबसे महत्वपूर्ण बात विकास का केंद्र अंतिम व्यक्ति होना चाहिए जब गाँव का किसान, शहर का मजदूर, मध्यमवर्गीय परिवार और संघर्षरत युवा यह महसूस करने लगे कि यह देश वास्तव में उसके लिए आगे बढ़ रहा है, तभी भारत महान कहलाएगा भारत के पास जनसंख्या है, प्रतिभा है, संसाधन हैं और सबसे बड़ी बात आशा है यह वही देश है जिसने सदियों की गुलामी के बाद भी अपने आत्मविश्वास को जीवित रखा यदि हम ईमानदारी से शिक्षा, रोजगार, कृषि, स्वास्थ्य और न्याय व्यवस्था पर काम करें, तो विश्वगुरु बनने से हमें कोई रोक नहीं सकता लेकिन याद रखिए विश्वगुरु बनने का मार्ग केवल नारों से नहीं बनता उसके लिए मेहनत, ईमानदारी, संवेदना और दूरदृष्टि चाहिए अन्यथा इतिहास में हम केवल एक ऐसे राष्ट्र के रूप में याद किए जाएँगे, जो मंचों पर विश्वगुरु था, लेकिन अपने ही नागरिकों के प्रश्नों का उत्तर खोजता रह गया।

"माँ वह शक्ति है जो सब कुछ सहकर भी मुस्कराती है।"

अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि एक गहरी भावनात्मक अनुभूति है जो हर व्यक्ति के हृदय से जुड़ी होती है। यह दिन माँ के प्रति सम्मान, प्रेम, कृतज्ञता और उनके अनगिनत त्यागों को याद करने का अवसर देता है। प्रत्येक वर्ष मई महीने के दूसरे रविवार को मनाया जाने वाला यह दिवस हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हमारे जीवन में माँ का स्थान कितना महत्वपूर्ण और अनमोल है।

डॉ. नीलिमा पिम्पलापुरे
लेखिका, शिक्षाविद

अंतराष्ट्रीय मातृ दिवस

मातृ दिवस का ऐतिहासिक विकासः- मातृ दिवस की शुरुआत का श्रेय अमेरिका की सामाजिक कार्यकर्ता एना जार्विस को दिया जाता है। उन्होंने 1905 में अपनी माँ की मृत्यु के बाद उनकी स्मृति में एक विशेष दिन मनाने का निर्णय लिया। उनकी माँ, एन रीव्स जार्विस, समाज सेवा और महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए कार्य करती थीं। एना जार्विस ने यह सुनिश्चित करने के लिए अभियान चलाया कि एक ऐसा दिन हो, जब सभी लोग अपनी माताओं के प्रति आभार व्यक्त करें। उनके प्रयास सफल हुए और 1914 में अमेरिका के राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने मई के दूसरे रविवार को आधिकारिक रूप से मातृ दिवस घोषित कर दिया। धीरे-धीरे यह परंपरा यूरोप, एशिया और अन्य महाद्वीपों में फैल गई। आज भारत सहित विश्व के अधिकांश देशों में इसे बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है।

भारतीय संस्कृति में माँ का स्थानः- भारत में माँ को देवी के समान माना जाता है। हमारी संस्कृति में मातृ देवो भवक का सिद्धांत अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसका अर्थ है - माँ ही देवता के समान है।क प्राचीन ग्रंथों और कहानियों में भी माँ की महिमा का वर्णन मिलता है।

माँ यशोदा और भगवान श्रीकृष्ण का संबंध प्रेम और वात्सल्य का प्रतीक है।

माता कौशल्या और भगवान राम का रिश्ता आदर्श मातृत्व को दर्शाता है।

भारतीय समाज में माँ परिवार की धुरी होती है, जो घर को संभालती है, बच्चों का पालन-पोषण करती है और संस्कारों का संचार करती है।

माँ का त्याग और योगदानः- माँ का जीवन त्याग, धैर्य और समर्पण का जीवंत उदाहरण होता है। वह अपने बच्चों की खुशी के लिए अपनी इच्छाओं का त्याग कर देती है। हर परिस्थिति में बच्चों का साथ देती है, बिना थके दिन-रात परिवार की देखभाल करती है। माँ का प्यार निःस्वार्थ होता है-वह कभी बदले में कुछ नहीं चाहती। वह अपने बच्चों की सफलता में खुशी ढूंढती है और उनकी असफलताओं में उन्हें संभालती भी है।

मातृ दिवस मनाने के तरीकेः- आज के समय में लोग इस दिन को विभिन्न रचनात्मक और भावनात्मक तरीकों से मनाते हैंः

व्यक्तिगत स्तर परः माँ को सरप्राइज देना, उनके लिए खास खाना बनाना, हस्तनिर्मित कार्ड या उपहार देना और उनके साथ समय बिताना और पुरानी यादें साझा करना।

भावनात्मक अभिव्यक्तिः धन्यवाद पत्र लिखना, सोशल मीडिया पर माँ के साथ तस्वीरें साझा करना, कविताओं या गीतों के माध्यम से भाव व्यक्त करना। सामाजिक स्तर पर वृद्धाश्रमों में जाकर माताओं के साथ समय बिताना, जरूरतमंद महिलाओं की मदद करना एवं मातृत्व और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यकम आयोजित करना।

मातृ दिवस और आधुनिक समाजः- आधुनिक जीवन में व्यस्तता के कारण परिवार के लिए समय निकालना कठिन हो गया है। ऐसे में मातृ दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हमें अपनी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करना चाहिए। यह दिन केवल उपहार देने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह एक अवसर हैः माँ की भावनाओं को समझने का, उनके संघर्षों को पहचानने का और उनके साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने का।

मातृ दिवस का मनोवैज्ञानिक महत्वः- माँ और बच्चे का संबंध भावनात्मक रूप से अत्यंत गहरा होता है। माँ का स्नेह बच्चे के आत्मविश्वास को बढ़ाता है, मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और जीवन में सुरक्षा और स्थिरता का एहसास कराता है। मातृ दिवस इस संबंध को और मजबूत बनाने का अवसर प्रदान करता है। व्यावसायीकरण की आलोचनाः- हाल के वर्षों में मातृ दिवस का अत्यधिक व्यावसायीकरण भी देखने को मिला है। बाजार में उपहारों, फूलों और कार्ड्स की बिकी बढ़ जाती है। हालांकि उपहार देना गलत नहीं है, लेकिन इस दिन का वास्तविक उद्देश्य केवल खरीदारी नहीं, बल्कि सच्ची भावना और सम्मान है।

पश्चिमी संस्कृति का प्रभावः- मदर्स डे आमतौर पर माँ के सम्मान और प्यार को व्यक्त करने का दिन माना जाता है, लेकिन इसे लेकर कई तरह की बहसें और विवाद भी सामने आते रहते हैंः कई लोग मानते हैं कि मदर्स डे भारत जैसे देशों में पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव है। उनका तर्क है कि भारतीय परंपरा में माँ का सम्मान हर दिन किया जाता है, इसलिए किसी एक दिन को खास बनाना कअपनी संस्कृति से दूर जानाक माना जाता है। इस दिन को लेकर सबसे बड़ा विवाद यह है कि यह बहुत ज्यादा व्यावसायिक हो गया है। गिफ्ट, कार्ड, फूल, रेस्टोरेंट ऑफर-सब कुछ मार्केटिंग का हिस्सा बन गया है। आलोचकों का कहना है कि इससे असली भावना कम और दिखावा ज्यादा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस हमें यह सिखाता है कि माँ का महत्व शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। वह हमारे जीवन की नींव होती है, जो हमें हर कदम पर संभालती है। हमें यह याद रखना चाहिए कि माँ के प्रति प्रेम और सम्मान केवल एक दिन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह हमारे जीवन का स्थायी हिस्सा होना चाहिए।

शॉल फल और तालियों के बीच कलेक्टर को गरिमामयी विदाई

एमसीबी जिला हमेशा दिल में रहेगा, विदाई समारोह में भावुक हुए कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के स्थानीय कलेक्ट्रेट परिसर में 07 मई को भावुक और गरिमामय माहौल के बीच जिला कलेक्टर डी. राहुल वेंकट को उनके स्थानांतरण पर भव्य विदाई दी गई समारोह में प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों और गणमान्य नागरिकों की बड़ी उपस्थिति रही पूरे कार्यक्रम के दौरान भावनाओं का ऐसा माहौल बना कि कई कर्मचारियों की आंखें नम हो गई समारोह में सभी विभागीय अधिकारियों ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान कलेक्टर ने जिले को विकास की नई दिशा दी उनकी प्रशासनिक कार्यशैली आम जनता के प्रति संवेदनशीलता और समस्याओं के त्वरित समाधान ने उन्हें आमजन में बेहद लोकप्रिय बना दिया अधिकारियों ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व, ग्रामीण विकास, जनसमस्या निवारण शिविर और शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में उनके नेतृत्व की झलक स्पष्ट दिखाई दी अधिकारी और कर्मचारी मानते हैं कि जिले की प्रगति के लिए उन्होंने हमेशा टीम भावना के साथ काम किया और प्रशासनिक व्यवस्था को पारदर्शी एवं जनहितैषी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया उन्होंने हर वर्ग के लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समाधान के लिए तत्परता दिखाई जिसके कारण वे जन-जन के कलेक्टर के रूप में अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहे विदाई समारोह में भावुक होते हुए कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने जिले में बिताया गया समय उनके जीवन के सबसे यादगार और महत्वपूर्ण पलों में शामिल रहेगा उन्होंने कहा कि यहां की जनता, अधिकारियों और कर्मचारियों से उन्हें जो सहयोग स्नेह और विश्वास मिला वह हमेशा उनके दिल में रहेगा कलेक्टर ने कहा प्रशासन केवल शासन चलाने का माध्यम नहीं बल्कि लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का दायित्व है एमसीबी जिले में कार्य करते हुए मुझे जो अनुभव मिला उसने मुझे बहुत कुछ सिखाया। यहां के लोगों का अपनापन और सहयोग मेरी सबसे बड़ी पूंजी है मैं हमेशा इस जिले और यहां के लोगों से भावनात्मक रूप से जुड़ा रहूंगा। कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधीक्षक रतना सिंह, जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, अपर कलेक्टर नम्रता डोंगरे, अनिल कुमार सिदार, समस्त एसडीएम, जनपद सीईओ, तहसीलदार और वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों ने कलेक्टर डी. राहुल वेंकट को शॉल, फल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। विदाई के समय उपस्थित अधिकारी और कर्मचारी भावुक नजर आए और सभी ने उनके उकवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

09 मई को लगेगी न्याय की चौपाल राष्ट्रीय लोक अदालत में मिनटों में सुलझेंगे वर्षों पुराने विवाद

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार 09 मई 2026 को प्रातः 10 बजे से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय बैकुण्ठपुर जिला कोरिया, सिविल न्यायालय मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी, जनकपुर तथा जिला एमसीबी के सभी राजस्व न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर जिलेभर में व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों का सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्वरित निराकरण किया जाएगा। लोक अदालत में आपराधिक राजीनामा योग्य प्रकरण, दीवानी मामले, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, बैंक एवं विद्युत विभाग से जुड़े विवाद, निष्पादन प्रकरण तथा पारिवारिक विवादों का निपटारा किया जाएगा इसके अलावा ऐसे बैंक प्रकरण जो अभी न्यायालय में प्रस्तुत नहीं हुए हैं उनका भी निराकरण किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए पिछले दो माह से लगातार तैयारी की जा रही है माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण योगेश पारीक द्वारा सभी न्यायाधीशों, अधिवक्ता संघ जिला कलेक्टर बैकुण्ठपुर कोरिया, जिला कलेक्टर मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर तथा पुलिस अधीक्षक बैकुण्ठपुर एवं मनेन्द्रगढ़ के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित कर अधिक से अधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों को लोक अदालत में रखने और उनके निराकरण में सक्रिय सहयोग देने के निर्देश दिए गए हैं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभी पक्षकारों से अपील की है कि जिनके प्रकरण न्यायालयों में लंबित हैं, वे राष्ट्रीय लोक अदालत में उपस्थित होकर आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में अपने मामलों का त्वरित और सरल समाधान प्राप्त करें। प्राधिकरण ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से समय और धन की बचत होने के साथ-साथ अनावश्यक न्यायिक प्रक्रिया से भी राहत मिलती है तथा आपसी संबंधों में मधुरता बनी रहती है।

आदिवासियों की जमीन कब्जाने की कोशिशों के खिलाफ किसान सभा ने किया जबरदस्त प्रदर्शन, प्रशासन ने दिया जांच का निर्देश

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (निप्र)। कोरबा जिले में भैसमा तहसील अंतर्गत ग्राम पतरापाली के आदिवासी किसानों के जमीन को कुछ अज्ञात गैर आदिवासियों द्वारा बेनामी खरीद के जरिए कब्जा करने की कोशिश के खिलाफ गांव के लोगों ने आज यहां तानसेन चौक से रैली निकालकर जिलाधीश कार्यालय पर जबरदस्त प्रदर्शन किया प्रदर्शन का नेतृत्व अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा ने किया डिप्टी कलेक्टर टी आर भारद्वाज ने किसानों की समस्या को सुना और ज्ञापन लेते हुए जांच करने हेतु गांव में शिविर लगाने का आश्वासन दिया उल्लेखनीय है कि ग्राम पतरापाली एक आदिवासी बहुल गांव हैं और लगभग सभी आदिवासी या तो निरक्षर है या बहुत कम पढ़ें लिखे हैं उन्हें भूमि कानूनों के संबंध में उनकी जानकारी बहुत कम है जिसका फायदा, उनकी जमीन को हड़पने के लिए,प्रभावशाली तबके के कई गैर-आदिवासी लोग उठा रहे हैं। किसान सभा के इस प्रदर्शन में शामिल घसिया राम पिता दौलतराम, पुनिराम पिता करन सिंह, राजेश पिता गेदाराम, तिजराम पिता घसीराम, भूखनराम पिता लोहरी, मिलक राम पिता उजित राम, धनीराम पिता भालेराम, जीवन सिंह पिता घसिया राम, चमरा सिंह पिता नेतराम, महेत्तर पिता तिजराम आदि ने बताया कि वे पतरापाली गांव के निवासी हैं। खेती-किसानी ही इनकी आजीविका का साधन है और अपने पूर्वजों से प्राप्त जमीन पर वे खेती कर रहे हैं वे अपनी जमीन पर आज दिनांक तक काबिज है लेकिन पिछले एक माह से शहरों के कुछ गैर-आदिवासी लोग उनके गांवों में आकर उनकी कृषि भूमि को अपना बता रहे हैं वे इस जमीन के पंजीयन के कुछ कागजात भी दिखा रहे हैं और उन पर अपनी जमीन छोड़ने का दबाव बना रहे है या फिर उन्हें बेदखल करने की धमकी दे रहे हैं। वे इन लोगों को पहचानते तक नहीं है। इन ग्रामीणों ने बताया कि ये बाहरी लोग वर्ष 1990 में ही उनके पूर्वजों से उनकी जमीन खरीदने का दावा कर रहे हैं मामला तब गंभीर हो गया, जब ऐसे ही एक मामले में एक गैर-आदिवासी ने सगे भाईयों मंगल सिंह और भूखन लाल पिता लोहरी को उसकी जमीन से बेदखल करके और उस जमीन पर घेरा डालकर कब्जा कर लिया इसके बाद सभी आदिवासी अपनी जमीन से जबरन बेदखली की आशंका से डरे हुए हैं। छत्तीसगढ़ किसान सभा के संयुक्त सचिव प्रशांत झा, जिला सचिव दीपक साहू, सीटू के राज्य महासचिव एस एन बनर्जी आदि ने बताया कि ऐसा ही एक प्रकरण वर्ष 1999 में सामने आया था, जिसमें न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी कोरबा ने यह पाया था कि गैर कानूनी तरीके से आदिवासी भूमि को गैर आदिवासी को अंतरित किया गया था। माननीय न्यायालय ने प्रकरण क्रमांक 8/अ-23/99-2000 के जरिए पीड़ित आदिवासी के पक्ष में फैसला सुनाया था। उन्होंने कहा कि सभी आदिवासियों के प्रकरण लगभग ऐसे ही हैं, जिनमें उनकी भूमि का 40-50 साल पहले विक्रय होना बताया जा रहा है, जबकि भूमि पर मूल भूस्वामी अभी तक काबिज है। ये सभी भूमि अंतरण बेनामी है और अवैध है, क्योंकि आदिवासी भूमि का किसी भी गैर-आदिवासी को अंतरण नहीं हो सकता।

सर्वोच्च न्यायालय की विशेष लोक अदालत में मिलेगा आपसी सहमति से न्याय

21 से 23 अगस्त तक सुप्रीम कोर्ट परिसर में होगा आयोजन,लंबित मामलों के त्वरित समाधान का अवसर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। न्याय को सरल, सुलभ और आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 'समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026' का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष अभियान की शुरुआत 21 अप्रैल 2026 से हो चुकी है, जबकि इसका समापन 21, 22 और 23 अगस्त 2026 को सर्वोच्च न्यायालय परिसर में आयोजित विशेष लोक अदालत के साथ होगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सर्वोच्च न्यायालय में लंबित उपयुक्त मामलों का आपसी सहमति, संवाद और सुलह के माध्यम से त्वरित निष्पादन करना है ताकि पक्षकारों को सरल, सस्ता और प्रभावी न्याय मिल सके विशेष लोक अदालत में केवल वे मामले शामिल किए जाएंगे जो वर्तमान में माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित हैं। इस अभियान के तहत 21 अप्रैल 2026 से राज्य, जिला, तालुका एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा समितियों के मध्यस्थता केंद्रों में पूर्व सुलह बैठकों का आयोजन प्रारंभ कर दिया गया है इन बैठकों में प्रशिक्षित मध्यस्थ और विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी पक्षकारों को आपसी समझौते और समाधान की दिशा में सहयोग प्रदान करेंगे। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अधिवक्ताओं, वादकारियों और संबंधित पक्षों से इस विशेष अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है पक्षकार सुलह बैठकों और वार्ताओं में सशरीर अथवा वर्चुअल माध्यम से भी शामिल हो सकते हैं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इसके लिए एक सरल गूगल फॉर्म उपलब्ध कराया गया है सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों के पक्षकार इस फॉर्म को भरकर अपने प्रकरण को समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026 में शामिल कर सकते हैं। गूगल फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 31 मई 2026 निर्धारित की गई है इच्छुक पक्षकार समय सीमा के भीतर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी पब्लिक नोटिस के माध्यम से आमजन, अधिवक्ताओं और संबंधित पक्षों से अपील की गई है कि वे इस महत्वपूर्ण अभियान का अधिकतम लाभ उठाएं और लंबित मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए आगे आएं।

वन स्टॉप सेंटर (वार रूम) इंचार्ज - 011-23115652, 011-23116464

सीआरपी निदेशक - 011-23115652, 011-23116465

वन स्टॉप सेंटर, कक्ष क्रमांक 806 एवं 808, वी ब्लॉक, अतिरिक्त भवन परिसर, सर्वोच्च न्यायालय - 011-23116464

एमसीबी जिले में न्यूनतम वेतन दरों में संशोधन, कलेक्टर ने जारी की नई अधिसूचना

01 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 तक लागू रहेंगी नई दरें, श्रमिकों को मिलेगा बढ़ा हुआ वेतन और महंगाई भत्ता

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा न्यूनतम वेतन अधिनियम 1948 की धारा 3(बी) के अंतर्गत विभिन्न नियोजनों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों के लिए संशोधित न्यूनतम वेतन दरों की अधिसूचना जारी की गई है। जारी आदेश के अनुसार नई वेतन दरें 01 अप्रैल 2026 से 30 सितंबर 2026 तक प्रभावशील रहेंगी अधिसूचना में मासिक एवं दैनिक वेतन के साथ परिवर्तनशील महंगाई भत्ता भी शामिल किया गया है। जारी आदेश के अनुसार कृषि नियोजन तथा विभिन्न शासकीय विभागों में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी श्रमिकों एवं कर्मचारियों के लिए अलग-अलग श्रेणियों एवं जोन के आधार पर न्यूनतम वेतन निर्धारित किया गया है। श्रमिकों को अकुशल अर्द्धकुशल, कुशल एवं उच्च कुशल श्रेणियों में विभाजित किया गया है। कृषि नियोजन के अंतर्गत अकुशल कृषि श्रमिकों के लिए न्यूनतम मूल वेतन 6900 रुपये प्रतिमाह निर्धारित किया गया है इसमें 2450 रुपये परिवर्तनशील महंगाई भत्ता जोड़कर कुल मासिक वेतन 9350 रुपये तय किया गया है जबकि दैनिक वेतन 312 रुपये निर्धारित किया गया है। विभिन्न शासकीय विभागों में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी श्रमिकों एवं कर्मचारियों के लिए भी संशोधित वेतन दरें तय की गई हैं। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि जोन 'अ' में जिले के समस्त औद्योगिक क्षेत्र एवं औद्योगिक विकास केंद्र तथा ऐसे कारखाने शामिल होंगे जहां 300 या उससे अधिक श्रमिक कार्यरत हैं। जोन 'ब' में नगर पालिका निगम सीमा एवं उससे 8 किलोमीटर तक का क्षेत्र शामिल किया गया है जबकि जोन 'स' में अन्य सभी क्षेत्र रखे गए हैं। महत्वपूर्ण निर्देशों में कहा गया है कि निर्धारित मासिक वेतन कैलेंडर माह की समाप्ति पर देय होगा तथा दैनिक वेतन की गणना मासिक वेतन को 26 से विभाजित कर की जाएगी यदि कोई कर्मचारी माह में 26 दिन कार्य करता है तो वह पूर्ण माह के वेतन का पात्र होगा अनुपस्थित रहने पर संबंधित श्रेणी के अनुसार प्रतिदिन की दर से वेतन कटौती की जाएगी आदेश में यह भी उल्लेखित है कि दैनिक वेतन पर कार्य करने वाले श्रमिकों को लगातार छह दिन कार्य करने के बाद एक दिन का सवेतन अवकाश मिलेगा पुरुष एवं महिला श्रमिकों को समान दर से वेतन दिया जाएगा तथा चार घंटे कार्य करने वाले श्रमिक आधे वेतन के पात्र होंगे।

सुशासन तिहार 2026 में 12 पंचायतों के ग्रामीणों ने लिया योजनाओं का लाभ,मौके पर हुआ समस्याओं का समाधान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांपहल सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत बिरौरीडांड में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर ग्रामीणों के लिए राहत और भरोसे का केंद्र बन गया। संवाद से संपूर्ण समाधान थीम पर आयोजित इस शिविर में 12 ग्राम पंचायतों के हजारों ग्रामीणों ने भाग लेकर शासन की योजनाओं और सेवाओं का सीधा लाभ प्राप्त किया शिविर में ग्राम पंचायत केवटी, रोझी, डिहुली, पहाड़हंसवाही, बिरौरीडांड, बड़काबहरा, केराबहरा, रोकड़ा, कछौड़, ताराबहरा, शिवगढ़ और डुगला को शामिल किया गया था। सुबह से ही बड़ी संख्या में ग्रामीण आवेदन और समस्याएं लेकर शिविर पहुंचे कई मामलों का मौके पर ही निराकरण कर लोगों को तत्काल राहत प्रदान की गई जबकि अन्य आवेदनों को निर्धारित समय-सीमा में निराकरण के लिए संबंधित विभागों को सौंपा गया कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, जनपद अध्यक्ष जानकी बाई खुसरो, उपाध्यक्ष ज्योति गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य अनीता सिंह तथा अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया पूरे आयोजन में उत्साह, जनभागीदारी और प्रशासन के प्रति विश्वास का माहौल देखने को मिला शिविर में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बिहान योजना, मनरेगा, समाज कल्याण, कृषि, उद्यानिकी, वन, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, खाद्य, पुलिस, पशु चिकित्सा, आयुष, जल संसाधन, पीएमजीएसवाई, क्रेडा तथा आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे इन स्टॉलों में ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान भी किया गया जनप्रतिनिधियों ने विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शिविर के दौरान गोद भराई कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें रजिता, गीता, आशा, कंचन, सपना, कलावती, लीलावती, मीना और रेनू की गोद भराई की रस्म सम्पन्न कराई गई।

मध्यप्रदेश पुलिस की नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, एक सप्ताह में 83 लाख से अधिक के मादक पदार्थ जब्त

एमडी ड्रग्स, अफीम, डोडाचूरा, ब्राउन शुगर, गांजा और स्मैक के साथ कई आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, भंडारण और बिक्री के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विभिन्न जिलों की पुलिस टीमों ने विगत एक सप्ताह के दौरान 83 लाख रुपये से अधिक कीमत के मादक पदार्थ और तस्करी में प्रयुक्त वाहनों को जब्त करते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मंदसौर में एमडी ड्रग्स और अफीम बरामदः मंदसौर जिले के थाना कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 500 ग्राम एमडी ड्रग्स और 500 ग्राम अफीम बरामद की। आरोपी ने पुलिस से बचने के लिए मादक पदार्थों को पानी की विद्युत मोटर की बॉडी में छिपाकर रखा था पुलिस ने कार्रवाई के दौरान लगभग 51 लाख 72 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की वहीं थाना भावगढ़ पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक विधि विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लेकर उसके कब्जे से 27 किलोग्राम एसिटिक एनहाईड्राइड और एक मोटरसाइकिल जब्त की दोनों मामलों में पुलिस ने कुल 52 लाख 82 हजार रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है।

नीमच में डोडाचूरा से भरा ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ाः नीमच जिले के थाना मनासा पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोककर तलाशी ली तलाशी के दौरान 30 प्लास्टिक कट्टों में भरा 6 क्विंटल 1 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद किया गया पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित लगभग 22 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की।

देवास में ब्राउन शुगर तस्करों पर कार्रवाईः देवास जिले की खातेगांव पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ब्राउन शुगर की तस्करी में संलिप्त आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 23 ग्राम ब्राउन शुगर और अन्य सामग्री सहित करीब 4 लाख 60 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की गई।

नवपदस्थ कलेक्टर ने संभाली एमसीबी जिले की कमान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले को आज नई प्रशासनिक नेतृत्व के रूप में एक ऊर्जावान और अनुभवी कलेक्टर मिलीं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नियुक्त नवपदस्थ कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने आज विधिवत रूप से एमसीबी जिले के कलेक्टर पद का कार्यभार ग्रहण किया जिला कार्यालय पहुंचने पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका आत्मीय स्वागत करते हुए पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद ही कलेक्टर सुजांगड़े पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आईं उन्होंने बिना समय गंवाए कलेक्ट्रेट परिसर की विभिन्न शाखाओं का औचक निरीक्षण किया और कार्यालयीन व्यवस्थाओं, अभिलेखों के संधारण तथा आमजन से जुड़े कार्यों की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया उनके इस सक्रिय और अनुशासित कार्यशैली ने पहले ही दिन प्रशासनिक अमले में नई ऊर्जा का संचार कर दिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न शाखाओं में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया और विभागीय कार्यप्रणाली की जानकारी ली उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी उन्होंने निर्देशित किया कि कार्यालय में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या को गंभीरता से सुना जाए तथा लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

रेबीज इंजेक्शन के लिए आयुष्मान कार्ड आवश्यक होने संबंधी समाचार के संबंध में सिविल सर्जन ने कराया वस्तुस्थिति से अवगत

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। गत दिवस समाचार पत्रों में रेबीज इंजेक्शन के लिए आयुष्मान कार्ड आवश्यक होने संबंधी समाचार प्रकाशित किया गया था। इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ यूके श्रीवास्तव ने वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि सीहोर जिला अस्पताल में किसी भी आपातकालीन अथवा आवश्यक चिकित्सा सेवा को आयुष्मान कार्ड के अभाव में रोका नहीं जाता है। डॉग बाईट के मामलों में भी मरीजों को आवश्यकतानुसार तत्काल उपचार एवं रेबीज वैक्सीनेशन उपलब्ध कराई जाती है। अस्पताल में आयुष्मान कार्ड मंगवाने का उद्देश्य केवल पात्र हितग्राहियों को शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना एवं उपचार का उचित रिकार्ड संधारित करना है, जिसका डाटा संधारण शासन के नियमानुसार आयुष्मान टीएमएस पोर्टल पर किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस मामले में मरीज का उपचार नहीं रोका गया था बल्कि मरीज से सिर्फ आयुष्मान कार्ड की जानकारी चाही गई थी, ताकि नियमानुसार डाटा का संधारण किया जा सके। सभी जानवरों के काटने के मामले कि पोर्टल पर प्रविष्टि अनिवार्य है जिसके आधार पर आवश्यकतानुसार वैक्सीन शासन से प्राप्त होती है. ताकि वैक्सीन की कमी का सामना नहीं करना पड़े।

सीहोर जिले में 'ज्ञान भारतम् मिशन' अंतर्गत राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित 'ज्ञान भारतम् मिशन' के अंतर्गत देशव्यापी पांडुलिपि सर्वेक्षण, सूचीकरण एवं डिजिटलीकरण अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु सीहोर जिले में जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। यह विशेष अभियान 15 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा। कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले में उपलब्ध ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व की पांडुलिपियों का सर्वे, संरक्षण एवं डिजिटलीकरण किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य 'ज्ञान भारतम्' पोर्टल एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्राचीन पांडुलिपियों का डेटा संकलित कर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना है। इस अभियान की विशेष बात यह है कि Gyan Bharatm App के माध्यम से कोई भी नागरिक, संस्था, मंदिर, आश्रम, पुस्तकालय, शिक्षण संस्थान अथवा निजी संग्रहकर्ता स्वयं अपनी पांडुलिपियों का सर्वे कर सकता है। नागरिक मोबाइल ऐप के माध्यम से पांडुलिपियों की जानकारी, फोटो एवं आवश्यक विवरण अपलोड कर सीधे अभियान से जुड़ सकते हैं। इससे आमजन की भागीदारी सुनिश्चित होगी तथा अधिक से अधिक दुर्लभ पांडुलिपियों की जानकारी एकत्रित की जा सकेगी। जिला स्तरीय समिति में कलेक्टर श्री बालागुरू के. को अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में जिला पंचायत सीईओ, एसडीएम, पीएम एक्सीलेंस कॉलेज के प्राचार्य तथा जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक को समिति का सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है। अभियान के दौरान जिले के नागरिकों से अपील की गई है कि यदि उनके पास किसी भी प्रकार की प्राचीन पांडुलिपि, हस्तलिखित ग्रंथ, ताम्रपत्र, धार्मिक अथवा ऐतिहासिक दस्तावेज उपलब्ध हों, तो वे 'Gyan Bharatm App' के माध्यम से उनका पंजीयन अवश्य करें। इससे इन धरोहरों का संरक्षण, डिजिटलीकरण एवं राष्ट्रीय स्तर पर दस्तावेजीकरण किया जा सकेगा। यह अभियान भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति एवं इतिहास के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे आने वाली पीढ़ियों को देश की प्राचीन विरासत से जोड़ने में सहायता मिलेगी।

शासकीय आईटीआई विदिशा में वित्तीय साक्षरता कार्यशाला का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था आईटीआई में प्रशिक्षणार्थियों को वित्तीयरूप से जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'वित्तीय साक्षरता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संस्था के विभिन्न व्यवसायओं के प्रशिक्षणार्थियों एवं स्टाफ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। एमएससी संस्था के मोहम्मद आदिल ने कार्यशाला में प्रशिक्षणार्थियों को बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल भुगतानं, यूपीआई, ऑनलाइन बैंकिंग, बचत की आदत, निवेश, साइबर सुरक्षा, बीमा, पेंशन योजनाओं तथा वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षणार्थियों को दैनिक जीवन में वित्तीय प्रबंधन के महत्व के बारे में सरल एवं व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया। संस्था के श्री हरे राम यादव (आयोजन प्रभारी) ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के लिए वित्तीय साक्षरता अत्यंत आवश्यक है। सही वित्तीय जानकारी युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा भविष्य की आर्थिक चुनौतियों से निपटने में सहायक सिद्ध होती है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों को वित्तीय अनुशासन एवं सुरक्षित डिजिटल लेन-देन अपनाने हेतु प्रेरित किया गया।

सीहोर में रोजगार मेला 12 मई को: 16 कंपनियों द्वारा 1610 से अधिक पदों पर की जाएगी युवाओं की भर्ती

सीहोर मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 12 मई को प्रातः 11 बजे सीहोर स्थित महिला आईटीआई संस्थान में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया जाएगा। रोजगार मेले में रोजगार विभाग द्वारा स्थानीय, प्रदेश एवं अन्य राज्यों की कंपनियों को आमंत्रित कर युवाओं को रोजगार प्रदान किया जायेगा। रोजगार में मेले में लगभग 16 कंपनियों द्वारा 1610 से अधिक पदों पर युवाओं की भर्ती की जाएगी। इसी प्रकार जिला व्यापार उद्योग केन्द्र द्वारा स्वरोजगार विभागों के स्वरोजगार प्राप्त हितग्राहियों को लाभान्वित कर नये प्रकरण तैयार किये जाएंगे। आईटीआई विभाग द्वारा अप्रेंटिसशिप के लिये युवाओं को चयनित किया जाएगा।

खंडवा में पुलिस कांस्टेबल का पेड़ पर लटका मिला शव

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में शुक्रवार सुबह एक पुलिसकर्मी का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला हैं। मृतक की पहचान अनसिंह नरगावे निवासी बड़वानी के रूप में हुई हैं। जो कि रीवा जिले में पदस्थ हैं। फिलहाल, आत्महत्या से जुड़े कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने शव बरामद कर मृतक के परिजनों को सूचना भेज दी हैं। घटना थाना पदमनगर क्षेत्र में इंदौर हाईवे पर बालाजी धाम कॉलोनी के सामने की हैं। अज्ञात व्यक्ति का शव पेड़ पर लटका मिलने से सनसनी मच गई। पुलिस मौके पर पहुंची और लाश के पास मिले बैग की तलाशी ली तो उसकी पहचान अनसिंह नरगावे निवासी बड़वानी जिला के रूप में हुई थी। पुलिस के अनुसार, वह बड़वानी जिले में राजपुर क्षेत्र के ग्राम मुरारी का रहने वाला था। वह पुलिस विभाग में कांस्टेबल के पद पर हैं। जो कि रीवा जिले में पदस्थ हैं, फिलहाल रीवा के थाना गढ़ में ड्यूटी पर था।

5 दिन की छुट्टी लेकर गांव गया था कांस्टेबल: पदमनगर थाना प्रभारी जगदीश जमरे के अनुसार, मृतक के बारे में पूछताछ के लिए रीवा पुलिस से संपर्क किया गया। जानकारी मिली कि वह मंगलवार से छुट्टी पर हैं, 5 दिन की छुट्टी लेकर वह अपने गांव बड़वानी के लिए निकला था। इधर, बड़वानी में परिजनों को सूचना देकर खंडवा बुलाया है। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया हैं। परिजन और संबंधित थाने से पूछताछ करेंगे।

खंडवा में दो सड़क हादसों में तीन युवकों की मौत, बारात से लौट रहे दो बाइक सवार पेड़ से टकराए

तीसरा रोड़ किनारे संदिग्ध हाल में मिला

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा में गुरुवार को दो अलग-अलग हादसे हुए हैं। इन हादसों में तीन युवकों की जान चली गई। पहली घटना जावर थाना क्षेत्र में खंडवा-मूंदी रोड़ की है। यहां एक बाइक सवार का शव रोड़ किनारे मिला। मामला संदिग्ध होने से पुलिस ने जांच शुरू कर दी। दूसरी घटना पिपलोद थाना क्षेत्र की है, जहां पेड़ से टकराने पर दो बाइक सवार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

पिपलोद थाना क्षेत्र में बोरखेड़ा के पास हुए हादसे में दो युवकों की जान गई। दोनों कारपुर गांव के रहने वाले हैं। बाइक से शेखपुरा गांव में बारात में शामिल होने आए थे। घर लौटते वक्त रास्ते में उनकी बाइक एक पेड़ से टकरा गई। सूचना पर एंबुलेंस लेने पहुंची और जिला अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। 21-22 साल की उम्र वाले मृतकों की पहचान कारपुर निवासी शिवचरण और हरिकिशन के रूप में हुई हैं।

गिरवी रखी बाइक छुड़ाई, रास्ते में मौत: एक और हादसा खंडवा-मूंदी रोड़ पर हुआ। खराब हो चुके इस हाईवे पर आए दिन हादसे हो रहे हैं। आज (गुरुवार) दोपहर को एक बाइक रोड़ किनारे खाई में पड़ी मिली, वहीं युवक का शव साइड सोल्डर पर पड़ा था।

आशंका है कि अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है। शव की पहचान ग्राम गोहलारी निवासी गोलू पिता गणेश राव (36) के रूप में हुई, जो खंडवा में अपनी गिरवी रखी बाइक को छुड़ाकर घर जा रहा था। इधर, मामला संदिग्ध होने से अन्य एंगल पर भी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

रेबीज इंजेक्शन के लिए आयुष्मान कार्ड आवश्यक होने संबंधी समाचार के संबंध में सिविल सर्जन ने कराया वस्तुस्थिति से अवगत

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। गत दिवस समाचार पत्रों में रेबीज इंजेक्शन के लिए आयुष्मान कार्ड आवश्यक होने संबंधी समाचार प्रकाशित किया गया था।

इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ यूके श्रीवास्तव ने वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि सीहोर जिला अस्पताल में किसी भी आपातकालीन अथवा आवश्यक चिकित्सा सेवा को आयुष्मान कार्ड के अभाव में रोका नहीं जाता है। डॉग बाईट के मामलों में भी मरीजों को आवश्यकतानुसार तत्काल उपचार एवं रेबीज वैक्सीनेशन उपलब्ध कराई जाती है।

अस्पताल में आयुष्मान कार्ड मंगवाने का उद्देश्य केवल पात्र हितग्राहियों को शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना एवं उपचार का उचित रिकार्ड संधारित करना है, जिसका डाटा संधारण शासन के नियमानुसार आयुष्मान टीएमएस पोर्टल पर किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस मामले में मरीज का उपचार नहीं रोका गया था बल्कि मरीज से सिर्फ आयुष्मान कार्ड की जानकारी चाही गई थी, ताकि नियमानुसार डाटा का संधारण किया जा सके। सभी जानवरों के काटने के मामले कि पोर्टल पर प्रविष्टि अनिवार्य है जिसके आधार पर आवश्यकतानुसार वैक्सीन शासन से प्राप्त होती है. ताकि वैक्सीन की कमी का सामना नहीं करना पड़े।

छतरपुर में डिवाइडर से टकराकर पलटी तेज रफ्तार कार: कांच तोड़कर निकाले गए 2 युवक

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। जवाहर रोड पर कल्याण मंडप के पास हुए इस हादसे में कार सड़क के बीचों-बीच पलट गई। हादसे में कार सवार दो युवक अंदर ही फंस गए थे, जिन्हें स्थानीय लोगों ने शीशे तोड़कर सुरक्षित बाहर निकाला। गनीमत रही कि इस घटना में दोनों युवकों को मामूली चोटें ही आई हैं।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली पासिंग टाटा कंपनी की कार देर रात तेज गति से शहर की ओर जा रही थी। इसी दौरान चालक वाहन से अपना नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार सड़क पर पूरी तरह उल्टी हो गई। इसके बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

लोगों ने रेस्क्यू कर घायलों को अस्पताल भेजा: हादसा होते ही आसपास मौजूद लोग तुरंत मदद के लिए मौके पर पहुंचे। लोगों ने कार के कांच तोड़कर फंसे हुए दोनों युवकों को बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस और सिटी कोतवाली पुलिस को घटना की सूचना दी। इसके बाद दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

रात का समय होने के कारण टला बड़ा हादसा: प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा काफी भयावह था। रात का समय होने के कारण सड़क पर आवाजाही कम थी, जिससे कोई अन्य व्यक्ति इसकी चपेट में आने से बच गया। स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद पलटी हुई कार को सीधा किया और उसे सड़क किनारे लगवाया। खास बात यह रही कि इतना भीषण हादसा होने और कार पलटने के बाद भी उसकी लाइटें और इंडिकेटर लगातार चालू थे।

पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को कब्जे में लिया: सूचना मिलने पर सिटी कोतवाली पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने बीच सड़क से कार को हटवाकर यातायात व्यवस्था को सुचारू कराया। फिलहाल पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है।

और मामले की जांच शुरू कर

मंदसौर में 145 किलो डोडाचूरा जब्त, 1 तस्कर गिरफ्तार 25 लाख की कार सहित 27.90 लाख का माल मिला

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सुवासरा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक लक्ज़री अ्ञ ॥त्रऋद्धश्वक्र कार से 145 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं मामले में एक अन्य आरोपी फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश जारी है।

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थों के भंडारण, विक्रय एवं परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एसपी विनोद मीना द्वारा जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे।

इन्हीं निर्देशों के पालन में बुधवार को चौकी प्रभारी रूनिजा को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति कार में बड़ी मात्रा में डोडाचूरा लेकर जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम का गठन कर ग्राम सेमलीकाकड़ स्थित

गरोठ-उज्जैन फोरलेन पर विद्युत ग्रिड के सामने घेराबंदी की गई।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सफेद रंग की TATA HARRI-ER कार क्रमांक MPw®ZL9604 को रोका। तलाशी लेने पर कार में रखे 9 प्लास्टिक कट्टों में कुल 145 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से आरोपी राजेश कुमार पिता हरिराम उम्र 26 वर्ष निवासी हनुमान नगर भोजासर थाना भोजासर जिला फलौदी राजस्थान को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह यह डोडाचूरा अपने साथी अनिल पिता रामकिशन उर्फ रामलाल निवासी बरखेड़ा गंगासा थाना गरोठ से लेकर आया था। पुलिस ने मामले में फरार आरोपी अनिल को भी नामजद किया है, जिसकी तलाश जारी है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 2 लाख 90 हजार रुपये कीमत का 145 किलो डोडाचूरा तथा लगभग 25 लाख रुपये कीमत की TATA HARRIER कार जब्त की है। कुल जब्त सामग्री की कीमत करीब 27 लाख 90 हजार रुपये आंकी गई है।

पचमढ़ी में बारिश, मौसम में घुली ठंडक, पर्यटक टूरिस्ट पॉइंट पर निकले, तेज गर्मी से मिली राहत

मीडिया ऑडीटर,पिपरिया (निप्र)। गुरुवार दोपहर बाद हिल स्टेशन पचमढ़ी में मौसम ने अचानक करवट ली। तेज बारिश के कारण मौसम में ठंडक घुल गई, जिससे पर्यटकों को गर्मी से राहत मिली। परिवार सहित पर्यटक पचमढ़ी के चुनिंदा भ्रमण स्थलों पर घूमने निकल पड़े। मध्य प्रदेश के इस सुंदर पर्वतीय पर्यटन स्थल पर गुरुवार दोपहर अचानक बारिश शुरू हो गई।

होटलों में ठहरे पर्यटक बारिश का आनंद लेने के लिए बाहर निकलकर कई भ्रमण स्थलों पर पहुंचे। तेज गर्मी और उमस से नागरिकों और पर्यटकों को काफी राहत मिली। दोपहर का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास था, जो बारिश के कारण लगभग 2 डिग्री गिरकर 24 डिग्री दर्ज किया गया।

इन स्थानों पर लगी पर्यटकों की भीड़: पचमढ़ी पर्यटन से जुड़े सलमान ने बताया कि दोपहर में मौसम अचानक बदला और आसमान में बादल छा गए। गरज-चमक के साथ बारिश होने लगी। जटाशंकर, बायसन लॉज, राजेंद्र गिरी, झील और अन्य प्राकृतिक झरनों का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे। गर्मियों के दौरान पहले से ही यहां होटलों में पर्यटकों की भीड़ थी। लगभग 45 मिनट तक पहाड़ों और बस्ती में मध्यम बारिश हुई, जिसके बाद पर्यटक झरनों और पहाड़ों के मनोरम नजारों का दीदार करने निकल पड़े।

सीहोर में धूल भरी आंधी, अचानक बदला मौसम 65 किमी रफ्तार की से चली हावाएंविजिबिलिटी शून्य के करीब

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार शाम करीब 6:30 बजे मौसम ने अचानक करवट ले ली। तेज हवाओं के साथ चली धूल भरी आंधी ने पूरे शहर को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते सड़कों पर धूल का घना गुबार छा गया और कई इलाकों में दृश्यता लगभग शून्य हो गई। अचानक बदले मौसम से लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

50 से 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा: आंधी का असर इतना तेज था कि शहर की मुख्य सड़कों और नेशनल हाईवे पर वाहन चालकों को दिन में ही हेडलाइट जलानी पड़ी। कई जगह 5 से 10 मीटर दूर तक देख पाना भी मुश्किल हो गया। मौसम विभाग और स्थानीय अनुमानों के

अनुसार, इस दौरान हवा की गति 50 से 65 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई।

रेलवे ट्रैक तक नहीं दिखे: तेज धूल भरी हवाओं का असर रेलवे स्टेशन क्षेत्र में भी देखने को मिला। धूल के गुबार के कारण रेलवे पटरियां तक साफ नजर नहीं आ रही थीं। इसका असर ट्रेनों की रफ्तार पर भी पड़ा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से सीहोर और आसपास के क्षेत्रों में तापमान लगातार बढ़ रहा था। जमीन के पास की गर्म हवा तेजी से ऊपर उठी, जिससे कम दबाव का क्षेत्र बना। इस खाली स्थान को भरने के लिए आसपास की ठंडी हवा तेज गति से उस ओर बढ़ी। यही तेज हवाएं सूखी मिट्टी और धूल को साथ लेकर चलीं, जिससे धूल भरी आंधी की स्थिति बनी।

पश्चिमी विक्षोभ का भी असर: मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण नमी और गर्म हवाओं का मिलन हुआ। इससे वातावरण में अस्थिरता बढ़ी और गरज-चमक के साथ तेज आंधी चली। मौसम में आए इस बदलाव के बीच लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों ने कहा है कि आंधी के दौरान घर के अंदर रहें। बाहर होने पर किसी सुरक्षित स्थान पर शरण लें और पेड़ों या बिजली के खंभों के नीचे खड़े होने से बचें।

विधवा महिला से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार: शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र में विधवा महिला से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता को ब्लैकमेल कर रहा था।

वह पीड़िता की बेटी पर भी गलत नजर रखता था। गिरफ्तार आरोपी से मोतीनगर पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र में रहने वाली पीड़ित विधवा महिला ने 5 मई को शिकायत की थी। शिकायत में पीड़िता ने बताया कि उसके पति के निधन के बाद वह अपने बच्चों के साथ निवास कर रही है। इसी बीच मोतीनगर थाना क्षेत्र में रहने वाले आरोपी रविकांत शर्मा ने वर्ष 2023 में रिश्तेदारी के आधार पर उससे संपर्क किया।

धीरे-धीरे उसके घर आने-जाने लगा। आरोपी ने स्वयं को विवाह के लिए इच्छुक बताया और पीड़िता का विश्वास जीता। अपने घर ले जाकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता के मना करने पर आरोपी ने जल्द शादी करने का झांसा दिया। इसी दौरान आरोपी ने आपत्तिजनक वीडियो बनाकर अपने मोबाइल में सुरक्षित रख लिए।

पीड़िता की बेटी पर रखता था गलत नजर: करीब एक माह पहले पीड़िता ने शादी करने का बोला तो आरोपी ने मना कर दिया। वह वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने पीड़िता के साथ मारपीट की और उसके बेटे को जान से मारने की धमकी देने लगा। साथ ही पीड़िता ने शिकायत में बताया कि आरोपी के अन्य महिलाओं के साथ अवैध संबंध है। वह उसकी बेटी पर भी गलत नजर रखता था।

शिकायत पर पुलिस ने दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच में लिया। जांच करते हुए पुलिस ने बुधवार को आरोपी रविकांत शर्मा निवासी बाघराज वार्ड क्षेत्र को गिरफ्तार किया। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह राजपूत ने बताया कि विधवा महिला से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

रायसेन के सांदीपनी विद्यालय में समर कैंप

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन के शासकीय सांदीपनी विद्यालय में गुरुवार को बच्चों के रचनात्मक और व्यक्तित्व विकास के लिए समर कैंप का आयोजन किया गया। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान आयोजित इस शिविर में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों ने विभिन्न खेल और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से जीवन से जुड़े कई नए अनुभव प्राप्त किए। कैंप में अभिषेक कपूर ने गुब्बारों से संबंधित एक खास गतिविधि कराई। इसके जरिए बच्चों को अपनी भावनाओं को पहचानने और उन्हें सही ढंग से व्यक्त करने के तरीके सिखाए गए। वहीं, मोहित गुप्ता ने खेल-खेल में व्यायाम और शारीरिक सक्रियता के महत्व पर प्रकाश डाला। वीरेंद्र मालवीय ने मनोरंजक खेलों के माध्यम से बच्चों में उत्साह और सहभागिता की भावना विकसित की।

बच्चों में दिखा आत्मविश्वास और टीमवर्क: समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मक सोच और टीमवर्क की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। बच्चों ने सभी गतिविधियों में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया और पूरे समय उत्साहित रहे। इस कैंप का सफल संचालन अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन (AIF) की प्रोग्राम मैनेजर कृति प्रधान और कोऑर्डिनेटर कुलदीप दांगी के मार्गदर्शन में किया गया।

सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे आयोजन जरूरी- प्राचार्य: यह कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य एस.एल. प्रधान के संरक्षण में आयोजित हुआ।

एलएसजी के लिए पहले बल्लेबाजी करना रहा है फायदेमंद, आरसीबी ने कर दी थी बड़ी गलती

लखनऊ ,एजेंसी । आईपीएल 2026 में गुरुवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच इकाना स्टेडियम में एक रोमांचक मुकाबला खेला गया। एलएसजी ने लगातार 6 हार का कम तोड़ा और आरसीबी के बारिश से प्रभावित मैच में 9 रन से हराया। आरसीबी के लिए पहले बल्लेबाजी हमेशा से फायदेमंद रही है, और इस मैच में भी परिणाम टीम के पक्ष में रहा। आईपीएल में अक्सर टीमें टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला लेती हैं।

टी20 फॉर्मेट में टीमों को चेज करना ज्यादा पसंद होता है। मैच का परिणाम भी अधिकतर बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीमों के पक्ष में आता है। एलएसजी के मामले में आंकड़े विपरीत हैं। एलएसजी का रिकॉर्ड पहले बल्लेबाजी करते हुए बाद में बल्लेबाजी करने की तुलना में बेहतर है।

एलएसजी के लिए 2022 पहला सीजन था। उस समय से अब तक एलएसजी ने कुल 68 मैच खेले हैं। इसमें 38 मैचों में एलएसजी ने पहले बल्लेबाजी की है जिसमें 21 में जीत और 16 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच का परिणाम नहीं निकला। जीत का प्रतिशत 56.75 है। वहीं , 30 मैचों में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए एलएसजी को 12 मैचों में जीत और 18 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। जीत का प्रतिशत 40.0 है। ऐसे में एलएसजी के लिए पहले बल्लेबाजी करना हमेशा से लाभकारी रहा है।

आरसीबी ने टॉस जीतकर एलएसजी को बल्लेबाजी का न्योता दिया था, और पुराने रिकॉर्ड के मुताबिक लगातार 6 मैचों की हार के सिलसिले को तोड़ते हुए एलएसजी ने मैच 9 रन से जीत लिया।

एलएसजी के लिए आईपीएल 2026 बेहद निराशाजनक रहा है। टीम 10 मैचों में सिर्फ 3 मैचों में जीत हासिल कर सकी है, जबकि 7 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। टीम के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना न के बराबर है। सीजन के बाकी 4 मैचों में दमदार प्रदर्शन कर टीम अगले सीजन के लिए अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकती है।

लोकप्रियता या पैसे की बात नहीं, हर खेल की छोटी-बड़ी सफलता का जश्न मनाया जाना चाहिए: सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी

नई दिल्ली ,एजेंसी । भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने उन लोगों को जवाब दिया है जिन्होंने थॉमस कप में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के लिए सार्वजनिक रूप से स्वागत में कमी पर दिए उनके बयान का गलत मतलब निकाला था। 2022 में चैंपियन रही भारतीय टीम ने 2026 थॉमस कप में कांस्य पदक जीता, लेकिन घर वापसी के बाद इस उपलब्धि का जश्न नहीं मनाया गया। सात्विक ने थॉमस कप में हिस्सा लेने के लिए हॉर्सेंस गई टीम और घर लौटने की दो तस्वीरें शेयर की थीं, साथ में कैप्शन लिखा था, यह कैसे शुरू हुआ, यह कैसे चल रहा है। ऐसा देखा गया कि टीम के लिए कोई बड़ी विदाई या स्वागत नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर उनके इस टिप्पणी को निजी उपलब्धि के लिए माना गया।

इस पर रंकीरेड्डी ने कहा, पिछले कुछ दिनों में हमारे थॉमस कप कांस्य पदक के लिए रिसेप्शन न होने के बारे में मेरे हाल के कमेंट्स पर बहुत ध्यान गया है। हालांकि मैं इतने ज्यादा समर्थन और हिम्मत के लिए शुकगुजार हूं। मैं अपना इरादा साफ करना चाहता हूं क्योंकि मैं देख रहा हूं कि बहुत से लोग असली बात से भटक रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे शब्द निजी शोहरत पाने या किसी और की कामयाबी का श्रेय लेने के लिए नहीं था। मैं हर उस एथलीट की बहुत इज्जत करता हूं जो भारत का नाम रोशन करता है, चाहे वह किसी भी खेल का हो।

रंकीरेड्डी ने लिखा, मेरा संदेश बिल्कुल साधारण था। हमें एक ऐसी संस्कृति बनानी होगी, जो हर जीत को बढ़ावा दे और उसका जश्न मनाए, चाहे वह बड़ी हो या छोटी, चाहे वह विश्व कप पदक हो या थॉमस कप जैसी वैश्विक चैंपियनशिप में पोडियम पर आना। ऐसे पल वर्षों की कुर्बानी और कड़ी मेहनत के बाद आते हैं। जब ऐसी उपलब्धियों पर चुप्पी न सिर्फ हमारे लिए, बल्कि भारतीय एथलीटों की आने वाली पीढ़ियों के लिए भी निराशाजनक है।

यूरोपा लीग- एस्टन विला ने फाइनल में बनाई जगह

बर्मिंघम ,एजेंसी । जॉन मैकगिन और एमिलियानो बुएंडिया के शानदार प्रदर्शन की बदौलत एस्टन विला ने यूईएफए यूरोपा लीग 2026 के फाइनल में जगह बना ली। सेमीफाइनल के दूसरे लेग में विला ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को 4-0 से हराया और 4-1 के कुल स्कोर के साथ फाइनल में जगह बनाई। एस्टन विला का सामना 20 मई को इस्तांबुल के बेसिकटास पार्क में फ्रीबर्ग से होगा। विला पार्क में खेले गए मुकाबले में मैच की शुरुआत में नॉटिंघम फॉरेस्ट ने ओमारी हचिंसन के जरिए दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही एस्टन विला ने खेल पर नियंत्रण कर लिया। पॉ टोरेस का प्रयास गोलकीपर स्टीफन ऑर्टेगा ने शानदार तरीके से बार के ऊपर भेजा, जबकि यूरी टिलेमान्स और ओली वॉटकिंस भी शुरुआती मौकों को गोल में नहीं बदल सके। पहला गोल आखिरकार वॉटकिंस ने किया। एमिलियानो बुएंडिया ने शानदार ड्रिब्लिंग करते हुए डिफेंस को छकाया और गेंद वॉटकिंस तक पहुंचाई, जिन्होंने आसान फिनिश के साथ टीम को बढ़त दिलाई। इस गोल के बाद विला का आत्मविश्वास और बढ़ गया। दूसरे हाफ में मेजबान टीम ने और तेजी दिखाई। पॉ टोरेस की शर्ट खींचने पर विला को पेनल्टी मिली, जिसे बुएंडिया ने शानदार तरीके से गोल में बदल दिया। इसके बाद कप्तान जॉन मैकगिन ने तीन मिनट के भीतर दो बेहतरीन गोल दागकर मैच पूरी तरह खत्म कर दिया। दोनों मौकों पर उन्होंने सटीक बाएं पैर के शॉट लगाए और स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दिया। एस्टन विला के कोच उनाई एमरी ने जीत के बाद टीम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, मुझे गर्व है कि हमने यह मैच जिस तरह खेला। इस्तांबुल में फाइनल खेलना बेहद खास होगा। अब हमें इस पल का आनंद लेना चाहिए, लेकिन साथ ही फाइनल और प्रतिद्वंद्वी फ्रीबर्ग का पूरा सम्मान भी करना होगा। इस जीत के साथ एस्टन विला अब अपनी तीसरी यूरोपीय ट्रॉफी जीतने से सिर्फ एक कदम दूर है। 1982 में यूरोपियन कप जीतने वाली विला टीम 44 साल बाद किसी बड़े यूईएफए फाइनल में पहुंची है। क्लब ने आखिरी बड़ी ट्रॉफी 1996 में जीती थी और उसके बाद से चार फाइनल गंवाए थे।

मार्श ने लगाया आईपीएल में अपना सबसे तेज अर्धशतक, नाम दर्ज हुआ बड़ा रिकॉर्ड

लखनऊ,एजेंसी । आईपीएल 2026 के 50वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की भिड़ंत गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ हो रही है। भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में एलएसजी के बल्लेबाज मिचेल मार्श ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 20 गेंदों में अर्धशतक लगाया। मार्श का यह आईपीएल में अब तक का सबसे तेज अर्धशतक भी है। इसके साथ ही उन्होंने इकाना स्टेडियम में दूसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। इकाना के मैदान पर सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अभिषेक शर्मा के नाम है, जिन्होंने इस मैदान पर सिर्फ 18 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किए थे। मार्श आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बने हैं। एलएसजी की ओर से सबसे तेज अर्धशतक निकोलस पूरन ने लगाया है। उन्होंने साल 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सिर्फ 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था।

इस मुकाबले के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने प्लेइंग इलेवन में तीन बड़े बदलाव किए हैं। जोश इंग्लिस, मोहसिन खान और आवेश खान चोटिल होने की वजह से यह मुकाबला नहीं खेल रहे हैं। इंग्लिस की जगह पर अर्शिन कुलकर्णी खेल रहे हैं, जबकि मोहसिन के स्थान पर शाहबाज अहमद को मौका दिया गया है। आवेश की जगह दिग्वेश राठी आरसीबी के खिलाफ इस मुकाबले में मैदान पर उतरे हैं। हालांकि, पिछले मैच में मिली हार के बावजूद आरसीबी ने अपनी प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया है। आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को कायम रखने के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स को इस मुकाबले में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। एलएसजी अब तक खेले 9 मुकाबलों में से सिर्फ 2 में ही जीत दर्ज कर सकी है। वहीं, 7 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। एलएसजी के बल्लेबाजों ने इस सीजन अपने प्रदर्शन से खासा निराश किया है।

इटैलियन ओपन- लियोलिया को शिकस्त देकर पाओलिनी ने बनाई तीसरे राउंड में जगह

रोम ,एजेंसी । मौजूदा चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी ने गुरुवार को इटैलियन ओपन के अपने पहले मुकाबले में कड़ी चुनौती का सामना करते हुए क्वालीफायर लियोलिया जीनजीन को 6-7(4), 6-2, 6-4 से मात देकर तीसरे दौर में जगह बना ली है। यह रोमांचक मुकाबला 2 घंटे 55 मिनट तक चला। 9वीं वरीयता प्राप्त इटली की स्टार खिलाड़ी ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने निराशाजनक प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच के दौरान 54 विनर्स लगाए, लेकिन साथ ही 57 अनफोर्स्ड एरर्स भी किए। पूरे मुकाबले में उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिससे दर्शक कभी उनके खेल से उत्साहित नजर आए तो कभी निराश, क्योंकि वे अपनी शीर्ष रैंकिंग वाली घरेलू खिलाड़ी को तीसरे दौर में पहुंचते देखने की उम्मीद लगाए बैठे थे। पाओलिनी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं थोड़ी घबराई हुई थी। बहुत सारे उतार-चढ़ाव आए। उन्होंने बहुत बढ़िया मैच खेला। यह एक कठिन मुकाबला था, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं डटी रही और पहले कठिन सेट के बाद वापसी करने में सफल रही।

विराट कोहली को शून्य पर आउट करने वाले प्रिंस यादव को किसकी सलाह मिली थी?

लखनऊ ,एजेंसी । आईपीएल 2026 में किसी युवा तेज गेंदबाज ने सबसे ज्यादा अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है, तो वो लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव हैं। गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ भी बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए प्रिंस ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। प्रिंस ने विराट कोहली को बोल्ड किया जो चर्चा का विषय बना हुआ है। आरसीबी को जीत के लिए 213 रन का लक्ष्य मिला था। इसके लिए जरूरी था कि विराट कोहली एक छोर संभाल कर रखें, विराट इसके लिए जाने भी जाते हैं, लेकिन प्रिंस यादव ने ऐसा नहीं होने दिया। प्रिंस एलएसजी की तरफ से पारी की दूसरा ओवर लेकर आए। विराट भी दूसरे ओवर में ही स्ट्राइक पर आए थे। ओवर की पहली गेंद पर रन नहीं बना। दूसरी गेंद पर प्रिंस ने विराट को बोल्ड कर दिया। विराट उस गेंद के मूवमेंट से हैरान थे जो उनके बल्ले को पीछे छोड़ते हुए उनकी विकेट उड़ा ले गई थी। कोहली 2017 के बाद पहली बार आईपीएल में शून्य पर आउट हुए। विराट का विकेट लेकर प्रिंस काफी खुश नजर आए। मैच के बाद प्रिंस यादव से जब उनकी गेंदबाजी और विराट की विकेट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, पिछले मैच के बाद, मैं विराट भैया से बात कर रहा था। उन्होंने मुझसे केवल इतना कहा, जिस लेंथ पर मदद मिल रही हो, उसी लेंथ पर गेंदबाजी करते रहो। मैंने वही सलाह मानी।

इस तरह विराट की सलाह को प्रिंस ने उन्हीं के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किया और उनका विकेट लिया। प्रिंस ने 4 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने विराट के अलावा देवदत्त पड्डिकल और जितेश शर्मा को आउट किया। उनकी घातक गेंदबाजी की वजह से ही 213 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही आरसीबी 203 रन बना सकी और मैच 9 रन से हार गई। एलएसजी के लिए मिशेल मार्श ने शतक लगाया था और 56 गेंदों पर 111 रन की पारी खेली थी।

प्रिंस यादव सीजन में एलएसजी के सबसे सफल गेंदबाज हैं और 10 मैचों में 16 विकेट ले चुके हैं। वह भुवनेश्वर और अंशुल कंबोज के बाद सीजन के तीसरे सफल गेंदबाज भी हैं।

बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजियों और खिलाड़ियों के लिए जारी किए निर्देश, उल्लंघन करने पर होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली ,एजेंसी । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2026 के दौरान अनुशासन और सुरक्षा से जुड़े मामलों को लेकर बड़ा कदम उठाया है। बोर्ड ने गुरुवार को सभी 10 फ्रेंचाइजियों के लिए आठ पन्नों की विस्तृत एडवाइजरी जारी की, जिसमें खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ, टीम अधिकारियों और फ्रेंचाइजी मालिकों के लिए सख्त प्रोटोकॉल तय किए गए हैं। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने सभी टीमों को भेजे गए पत्र में साफ कहा कि मौजूदा सीजन में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें प्रोटोकॉल का उल्लंघन हुआ। बोर्ड ने इसे टूर्नामेंट की साख और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है। सैकिया ने पत्र में लिखा कि आईपीएल से जुड़े सभी हितधारकों से पेशेवर व्यवहार, अनुशासन और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि यदि इन घटनाओं पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो इससे बीसीसीआई, फ्रेंचाइजियों और टूर्नामेंट की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच सकता है।

बीसीसीआई की एंटी करप्शन एंड सिक्योरिटी यूनिट (एसीएसयू) ने भी कुछ घटनाओं की रिपोर्ट बोर्ड को सौंपी थी। इन्हीं रिपोर्टों के आधार पर यह नई एडवाइजरी जारी की गई है। नई गाइडलाइन के तहत खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के होटल कमरों में बिना अनुमति किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

वरुण की काबिलियत पर कभी शक नहीं था, ब्रेक ने वापसी में मदद की- ड्वेन ब्रावो

नई दिल्ली,एजेंसी । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने कहा कि वरुण चकवर्ती के फॉर्म में लौटने से गेंदबाजी अटैक को फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि वरुण की विकेट लेने की काबिलियत पर कभी शक नहीं था और छह दिन के ब्रेक ने स्पिनर को वापसी करने में मदद की। सीजन की शुरुआत में वरुण चकवर्ती का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं था। शुरुआती तीन मुकाबलों में वह कोई विकेट नहीं ले सके थे और काफी महंगे भी साबित हुए थे। वरुण के खराब फॉर्म के समय पर केकेआर टीम भी टूर्नामेंट में बुरी तरह से संघर्ष कर रही थी। हालांकि, वरुण के फॉर्म में लौटने के साथ ही केकेआर की गाड़ी भी जीत की पटरी पर लौट आई है। केकेआर ने पिछले तीनों मुकाबलों में जीत दर्ज की है। वरुण ने पिछले तीन मुकाबलों में 2 बार 3 विकेट निकाले हैं। आईपीएल 2026 में वरुण अब तक 7 मुकाबलों में 10 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। वरुण ने केकेआर की जीत में अपनी गेंदबाजी से अहम भूमिका निभाई है।

खास बात यह रही कि जब भी वरुण ने दो या उससे ज्यादा विकेट लिए, तब टीम का प्रदर्शन भी बेहतर रहा है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शुकवार को होने वाले मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में ब्रावो ने कहा कि आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए मानसिक और शारीरिक आराम बहुत जरूरी होता है। उन्होंने बताया कि वरुण हाल ही में वर्ल्ड कप खेलकर लौटे थे और लगातार क्रिकेट खेलने के कारण थकान होना स्वाभाविक था। ब्रावो ने कहा कि खेल में हर खिलाड़ी खराब दौर से गुजरता है, लेकिन अच्छे खिलाड़ी हमेशा वापसी करते हैं। उन्होंने बताया कि टीम मैनेजमेंट और खिलाड़ी सभी ने वरुण का पूरा समर्थन किया, जिससे उनका आत्मविश्वास बना रहा।

ब्रावो ने तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना की फिटनेस पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पथिराना वापसी के करीब हैं, लेकिन टीम उनके साथ किसी तरह की जल्दबाजी नहीं करना चाहती। कप्तान अजिंक्य रहाणे और कोचिंग स्टाफ सही समय पर फैसला करेंगे कि उन्हें कब मैदान पर उतारा जाए।

ब्रावो ने युवा तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि त्यागी में काफी प्रतिभा है और वह सीखने के लिए हमेशा उत्साहित रहते हैं। ब्रावो के मुताबिक, कार्तिक नेट्स में खूब मेहनत कर रहे हैं, और टीम मैनेजमेंट उन्हें सिर्फ गेंदबाजी ही नहीं, बल्कि मैच की रणनीति भी सिखा रहा है।

ब्रावो ने बताया कि वह खिलाड़ियों को यह समझाने की कोशिश करते हैं कि सिर्फ धीमी गेंदें फेंकना ही काफी नहीं होता, बल्कि यह जानना भी जरूरी है कि उसे कब और किस बल्लेबाज के खिलाफ इस्तेमाल करना है। उन्होंने कहा कि केकेआर का युवा गेंदबाजी ग्रुप मेहनती, ऊर्जावान और सीखने के लिए तैयार है। यही वजह है कि टीम आने वाले मुकाबलों में और दमदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है।

उप मुख्यमंत्री ने 2.06 करोड़ की लागत से घोटिया विद्युत उपकेंद्र का किया भूमिपूजन घोटिया में बनेगा नया विद्युत उपकेंद्र

, कवर्धा शहर को मिलेगी मजबूत बिजली व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कवर्धा शहर की बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए आज नवीन बस स्टैण्ड घोटिया में 33/11 केव्ही विद्युत उपकेन्द्र निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्रीकविजय शर्मा ने मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत लगभग 2.06 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस विद्युत उपकेन्द्र की सौगात दी। उप मुख्यमंत्रीकशर्मा ने कहा कि यह केंद्र शहर की विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी तथा आम उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। उपकेन्द्र के शुरू होने से मेडिकल कॉलेज, नवीन बस स्टैण्ड, कृषि महाविद्यालय, तुलसी नगर और राजदीप कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा, वहीं शहर के 8614 उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उप मुख्यमंत्रीकविजय शर्मा ने भूमिपूजन कायकम को संबोधित करते हुए कहा कि कवर्धा शहर की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आज घोठिया स्थित नवीन बस स्टैण्ड के पास नए विद्युत उपकेंद्र का भूमिपूजन किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद मात्र ढाई वर्षों के भीतर जिले में विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे है

और अब तक चार नए उपकेंद्रों का भूमिपूजन पूरा किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि दलदली, सेमो और सरेखा में पहले ही उपकेंद्रों का भूमिपूजन हो चुका है, जबकि जल्द ही दुबहा में भी नए उपकेंद्र का भूमिपूजन किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्रीकशर्मा ने कहा कि महज ढाई वर्षों में जिले में पांच सब स्टेशन स्थापित होने जा रहे हैं, जो विद्युत व्यवस्था को नई मजबूती देंगे। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में भी नए सब स्टेशन और ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे ताकि हर क्षेत्र तक गुणवत्तापूर्ण बिजली पहुंचाई जा सके। उन्होंने बताया कि ट्रांसफार्मर लगने से लो वोल्टेज और बार-बार बिजली बाधित होने जैसी समस्याओं में बड़ी राहत मिलती है। ढाई साल में अब तक जिले में 486 नए ट्रांसफार्मर लगाए जा चुके हैं और आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ेगी। उप मुख्यमंत्रीकशर्मा ने बताया कि घोटिया उपकेंद्र में 5 एमव्हीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा। अभी तक कवर्धा शहर की पूरी विद्युत व्यवस्था दो पावर ट्रांसफार्मरों के भरोसे संचालित हो रही थी, लेकिन यह तीसरा पावर ट्रांसफार्मर शहर की करीब 40 प्रतिशत आबादी को कवर करेगा। इससे वोल्टेज की समस्या, लाइन फाल्ट और ओवरलोड जैसी परेशानियों से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस नए उपकेंद्र से कवर्धा शहर के 13 वार्डों में विद्युत सप्लाई की जाएगी।

इससे मौजूदा दोनों ट्रांसफार्मरों पर लोड कम होगा और दूरस्थ बस्तियों तक भी पर्याप्त वोल्टेज के साथ बिजली पहुंच सकेगी। उन्होंने अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि नवंबर माह तक इस उपकेंद्र से विद्युत आपूर्ति प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है।

सुशासन तिहार- मुख्यमंत्रीकविष्णु देव साय ने समाज प्रमुख को सौंपा टेंट एवं बर्तन सामग्री, ग्राम आमगांव में बढ़ेगा रोजगार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार के अंतर्गत खैरागढ़ वनमण्डल द्वारा रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई।वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के राज्य कैम्पा (क्षतिपूर्ति वर्गीकरण) मद से आस्थामूलक कार्यों के लिए ग्राम आमगांव के समाज प्रमुखकविष्णु ठाकरे को टेंट एवं बर्तन सामग्री प्रदाय की गई। बीते दिनों यह सामग्री मुख्यमंत्रीकविष्णु देव साय के करकमलों से सौंपे जाने पर कायकम में उपस्थित ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर सामाजिक एवं पारंपरिक आयोजनों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना और साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाना है समाज प्रमुखकविष्णु ठाकरे ने इस सहयोग के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे गांव में सामाजिक कायकमों के आयोजन में सुविधा होगी और आय के नए साधन भी विकसित होंगे। इस पहल को ग्रामीणों ने आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सार्थक कदम बताया, जिससे स्थानीय समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिलेगी।

'वंदे मातरम' को वैधानिक संरक्षण - राष्ट्रभावना और सांस्कृतिक अस्मिता को मिला नया सम्मान - मुख्यमंत्रीकविष्णु देव साय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्रीकविष्णु देव साय ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गान के समान वैधानिक संरक्षण प्रदान करने संबंधी केंद्रीय मंत्रिमंडल के ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए इसे देश की सांस्कृतिक चेतना, स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली विरासत और राष्ट्रभक्ति की भावना को सम्मान देने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया है। मुख्यमंत्रीकसाय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्रीकनरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 में संशोधन प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान किया जाना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व और आत्मसम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' भारत की आत्मा, स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा और करोड़ों देशवासियों की राष्ट्रनिष्ठा का प्रतीक रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज़ादी की लड़ाई के दौरान 'वंदे मातरम' ने देशवासियों में नई ऊर्जा और आत्मबल का संचार किया था। यह गीत आज भी हर भारतीय के मन में मातृभूमि के प्रति समर्पण, सेवा और गौरव की भावना जागृत करता है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान की भावना और अधिक सुदृढ़ होगी।

मुख्यमंत्रीकसाय ने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए प्रधानमंत्रीकनरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्रीकअमित शाह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार निरंतर भारत की सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय गौरव और जनभावनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' और राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान एवं गरिमा को बनाए रखने का आह्वान भी किया।

ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर मुख्यमंत्रीकविष्णुदेव साय ने वीर सैनिकों को किया नमन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्रीकविष्णुदेव साय ने ÷ऑपरेशन सिंदूर÷ की प्रथम वर्षगांठ पर भारतीय सेना के शौर्य, पराकम और अदम्य साहस को नमन करते हुए कहा कि यह अभियान केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि नए भारत की अटूट इच्छाशक्ति, निर्भीक संकल्प और निर्णायक शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर कहा कि आज से एक वर्ष पूर्व पहलगाम में सीमा पार से आतंकियों द्वारा किए गए घिनौने हमले ने पूरे राष्ट्र को झकझोर दिया था, लेकिन भारत ने उस चुनौती का ऐसा जवाब दिया, जिसने इतिहास में शौर्य और संकल्प का स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। मुख्यमंत्रीकसाय ने कहा कि ÷ऑपरेशन सिंदूर÷ ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि नया भारत अब आतंकवाद को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त करने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि अब भारत चुपचाप सहने वाला राष्ट्र नहीं रहा, बल्कि मातृभूमि की ओर उठने वाली हर बुरी नजर का निर्णायक और प्रभावशाली जवाब देने में सक्षम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान ने भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, बेजोड़ रणनीति और राष्ट्र के प्रति असीम समर्पण को अमर कर दिया। जिस सटीकता, दृढ़ता और प्रभावशाली क्षमता के साथ आतंक के सरपरस्तों और उनके आकाओं को जवाब दिया गया, उसने वैश्विक मंच पर भारत की सैन्य शक्ति और मजबूत नेतृत्व की नई पहचान स्थापित की। मुख्यमंत्रीकविष्णुदेव साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्रीकनरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद के प्रति ÷शून्य सहिष्णुता÷ की नीति को केवल शब्दों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे धरातल पर सिद्ध भी किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं की संयुक्त शक्ति, अत्याधुनिक युद्ध तकनीक और आत्मनिर्भर रक्षा व्यवस्था ने यह साबित कर दिया है कि भारत अब केवल प्रतिकिया नहीं देता, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर निर्णायक और प्रभावी प्रतिकार भी करता है। मुख्यमंत्रीकसाय ने कहा कि भारतीय सेना का पराकम, राष्ट्रभक्ति और बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

मुख्यमंत्री के निर्देश के तहत जिले के सुदूर व पहाड़ी कोरवा बसाहटों में 113 हैंडपंप व बोरवेल की होगी खुदाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सरगुजा जिले के सुदूर एवं पहाड़ी कोरवा बसाहटों में पेयजल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अब इन क्षेत्रों में कुल 113 हैंडपंप एवं बोरवेल की खुदाई की जाएगी, जिससे ग्रामीणों को पारंपरिक स्रोतों से पानी लाने की मजबूरी से राहत मिलेगी। विगत दिनों मुख्यमंत्रीकविष्णुदेव साय ने सरगुजा जिले में पेयजल समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर को तत्काल प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने कहा था कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं होना पड़े। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया था कि शासन की योजनाओं खासकर बुनियादी जरूरतों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना यह सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्रशासकीय स्वीकृति के बाद तत्परता से तकनीकी स्वीकृति और टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण कर कार्यारंभ करें अरुण साव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्रीकअरुण साव ने आज विभागीय मुख्य अभियंताओं की बैठक लेकर सड़कों एवं पुल-पुलियों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित बैठक में अधिकारियों को कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति के बाद तत्परता से तकनीकी स्वीकृति और टेंडर की प्रकिया पूर्ण कर कार्यारंभ करने के निर्देश दिए।कसाव ने बैठक में कहा कि सभी मुख्य अभियंता कार्यालय कॉर्पोरेट दफ्तरों की तरह पूरी क्षमता और दक्षता से काम करें। उन्होंने विभाग की कार्य संस्कृति में बदलाव लाते हुए फील्ड से लेकर कार्यालय तक तेज गति और जवाबदेही से काम करने को कहा।

उप मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की: उप मुख्यमंत्रीकसाव ने परफॉर्मेंस गारंटी की सड़कों की नियमित मॉनिटरिंग करने और इनके खराब होने पर संबंधित ठेकेदारों से त्वरित मरम्मत कराने को कहा, ताकि नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि परफॉर्मेंस गारंटी वाली सड़कों की स्थिति खराब पाए जाने पर अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने ऐसी सड़कों का तत्काल ठेकेदारों से मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग के मुख्य अभियंता को भारत सरकार के साथ लगातार समन्वय कर स्वीकृतियों एवं कार्यों में तेजी लाने को कहा। उप मुख्यमंत्रीकसाव ने सभी मुख्य अभियंताओं को प्राथमिकता वाले कार्यों की खुद मॉनिटरिंग करने को कहा। उन्होंने फील्ड पर निकलकर प्राथमिकता वाली सड़कों के कार्यों की प्रगति का हर सप्ताह निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

सल्फी को नई पहचान देने की कोशिश बस्तर के हर्षवर्धन का अनोखा प्रयोग

'इनोवेशन महाकुंभ 1.0 में मिला सम्मान, सल्फी की गुणवत्ता और उपयोगिता बढ़ाने पर कर रहे काम'

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर की पहचान मानी जाने वाली पारंपरिक पेय ÷सल्फी÷ को नई वैज्ञानिक सोच और आधुनिक प्रयोगों के माध्यम से स्वास्थ्यवर्धक पेय के रूप में स्थापित करने की दिशा में युवा नवाचारक हर्षवर्धन बाजपेयी महत्वपूर्ण काम कर रहे हैं। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित ÷इनोवेशन महाकुंभ 1.0÷ में उनके इस प्रयोग को विशेष सराहना मिली और उन्हें मुख्यमंत्रीकविष्णुदेव साय द्वारा ÷न्यू इनोवेशन अवार्ड÷ में तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया है।

हर्षवर्धन ÷बस्तर इंडिजीनियस नेक्टर एग्रीकल्चर्स÷ के माध्यम से सल्फी पेय की सेल्फ लाइफ बढ़ाने पर कार्य कर रहे हैं। उनका उद्देश्य सल्फी के प्राकृतिक स्वाद और पोषक गुणों को लंबे समय तक सुरक्षित रखना है, ताकि यह केवल पारंपरिक पेय तक सीमित न रहकर स्वास्थ्यवर्धक प्राकृतिक ड्रिंक के रूप में भी पहचान बना सके। उन्होंने बताया कि सल्फी का रस पेड़ से निकालने के कुछ समय बाद ही प्राकृतिक रूप से किण्वित होने लगता है, जिससे यह हल्का मादक पेय बन जाता है। यही कारण है कि इसे लंबे समय तक सुरक्षित रखना चुनौतीपूर्ण रहा है। हर्षवर्धन ने अपने प्रयोगों के माध्यम से इस फरमेंटेशन प्रकिया की अवधि को नियंत्रित करने में सफलता प्राप्त की है, जिससे सल्फी की मूल गुणवत्ता और स्वाद को अधिक समय तक सुरक्षित रखा जा सके।

'बस्तर की संस्कृति से जुड़ी है सल्फी': सल्फी बस्तर की आदिवासी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। इसे स्थानीय लोग ÷बस्तर बीयर÷ के नाम से भी जानते हैं। यह कैरियोटा यूरेन्स नामक ताड़ प्रजाति के पेड़ से निकलने वाला मीठा रस है। ताजा सल्फी का स्वाद नारियल पानी की तरह मीठा और ताजगी भरा होता है, लेकिन कुछ घंटों बाद इसमें प्राकृतिक खमीर बनने लगता है, जिससे यह हल्का नशीला हो जाता है। ग्रामीण और आदिवासी समुदायों में सल्फी का सामाजिक और सांस्कृतिक तौर पर विशेष महत्व है। विवाह, पारंपरिक उत्सव और सामाजिक आयोजनों में इसे प्रमुखता से परोसा जाता है। कई ग्रामीण परिवारों की आजीविका भी सल्फी पर निर्भर है। स्थानीय लोग इसे पेट संबंधी समस्याओं के लिए लाभकारी भी मानते हैं।

विश्व रेड कॉस दिवस पर शासकीय मेडिकल कॉलेज रायपुर केअटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम में भव्य आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारतीय रेड कॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा द्वारा विश्व रेड कॉस दिवस के अवसर पर आज राजधानी रायपुर में एक ऐतिहासिक राज्य स्तरीय कायकम का आयोजन किया जा रहा है। राज्यपाल और रेड कॉस सोसायटी के अध्यक्षकरमेन डेका के संरक्षण व मार्गदर्शन में आयोजित यह कायकम मानव सेवा ही सर्वोच्च सेवा है के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम बनेगा राज्य स्तरीय कायकम का शुभारंभ 8 मई 2026 को सुबह 10.30 बजे छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्रीकओ.पी. चौधरी के मुख्य अतिथ्य में शासकीय मेडिकल कॉलेज स्थित अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम में किया जाएगा। कायकम की अध्यक्षता स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री माननीयकश्याम बिहारी जायसवाल करेंगे। उच्च शिक्षा मंत्रीकटंकराम वर्मा जी और राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं से फैलेगी जागरूकता: कायकम समन्वयक डॉ. रूपल पुरोहित ने बताया कि इस आयोजन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से 2000 से अधिक छात्र-छात्राएँ, स्वयंसेवक और सामाजिक कार्यकर्ता हिस्सा ले रहे हैं। कला और संस्कृति समूह नृत्य, नाटक, प्रहसन और चित्रकला प्रतियोगिताओं के माध्यम से रेड कॉस के सिद्धांतों का प्रदर्शनकिया जाएगा।

गजमार पहाड़ मंदिर बनेगा रायगढ़ का नया धार्मिक पर्यटन आकर्षण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायगढ़ शहर का ऐतिहासिक गजमार पहाड़ मंदिर अब धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यहां स्थापित होने जा रही 51 फीट ऊंची भव्य कांस्य बजरंगबली प्रतिमा के लिए वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायककओ.पी. चौधरी ने विधिवत भूमिपूजन किया। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ सम्पन्न हुए कायकम के दौरान पूरा मंदिर परिसर ÷जयकराम÷ और ÷जय बजरंगबली÷ के जयघोष से गुंजायमान रहा। गजमार पहाड़ मंदिर बनेगा रायगढ़ का नया धार्मिक पर्यटन आकर्षण कायकम में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आस्था का वातावरण देखने को मिला। पूजा-अर्चना के पश्चात विशाल महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

गजमार पहाड़ मंदिर बनेगा रायगढ़ का नया धार्मिक पर्यटन आकर्षण: इस अवसर पर वित्त मंत्रीकओ.पी. चौधरी ने कहा कि रायगढ़ आने वाले समय में औद्योगिक एवं सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त करेगा।उन्होंने कहा कि गजमार पहाड़ पर स्थापित होने वाली यह भव्य कांस्य बजरंगबली प्रतिमा शहरवासियों की श्रद्धा, विश्वास और जनभागीदारी का प्रतीक बनेगी।

जमीन पर बैठकर उप मुख्यमंत्री ने सुनी लोगों की समस्याएं, मौके पर दिए समाधान के निर्देश पीएम आवास सिर्फ मकान नहीं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कबीरधाम जिले के ग्राम पंचायत बम्हनी में आयोजित सुशासन तिहार का समाधान शिविर गुरुवार को ग्रामीणों के लिए सीधे संवाद का मंच बन गया। उप मुख्यमंत्रीकविजय शर्मा ने यहां जमीन पर बैठकर लोगों की समस्याएं सुनीं। जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने आवेदन लेकर पहुंचे थे। उप मुख्यमंत्री ने सभी की बात ध्यान से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर शासन, प्रशासन और आमजन के बीच का सेतु है। लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो यह प्रयास होना चाहिए। ग्राम पंचायत बम्हनी में 24 गांवों के क्लस्टर को शामिल करते हुए शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी परिवार के लिए पीएम आवास सिर्फ एक मकान नहीं होता, बल्कि वर्षों से देखे गए उस सपने का साकार रूप होता है, जहां परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की उम्मीद करता है। उन्होंने कहा कि सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में पीएम आवास की स्वीकृति का निर्णय इसी सोच और प्रतिबद्धता का हिस्सा था। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2024-25 में बम्हनी सेक्टर की 24 ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 8066 आवास स्वीकृत किए गए, जिनमें से 7069 आवास पूर्ण हो चुके हैं। वहीं वर्ष 2025-26 में 1822 परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 480 आवास पूर्ण हो चुके हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए मनरेगा के तहत तालाब गहरीकरण, नाला सफाई, पुलिया निर्माण, आंगनबाड़ी भवन, पक्की नाली और डबरी निर्माण जैसे 163 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों की कुल राशि लगभग 4 करोड़ 92 लाख रुपये है। प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न कार्यों में लगे मजदूरों को अब तक 3 करोड़ 73 लाख रुपये का मजदूरी भुगतान किया गया है। उन्होंने स्व सहायता समूहों की महिलाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि समूहों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बम्हनी सेक्टर के 456 स्व सहायता समूहों को 68 लाख 40 हजार रुपये की चकीय निधि तथा 312 समूहों को 1 करोड़ 87 लाख 20 हजार रुपये की सामुदायिक निवेश निधि प्रदान की गई है। कायकम में उप मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नक्सलवाद की समाप्ति के लिए ।

हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ:

समाधान शिविर के दौरान उप मुख्यमंत्रीकविजय शर्मा ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित किया। उन्होंने 13 हितग्राहियों को पेंशन पत्र, 3 हितग्राहियों को आवास की चाबी, 25 हितग्राहियों को राशन कार्ड, 14 हितग्राहियों को जॉब कार्ड, 7 हितग्राहियों को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन प्रमाण पत्र, 10 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, 5 हितग्राहियों को आबादी पट्टा तथा किसानों को किसान पुस्तिका, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और कृषि ऋण चेक वितरित किए।

उप मुख्यमंत्री ने किया विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण

जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा जन जागरूकता हेतु विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टाल लगाए गए। उप मुख्यमंत्रीकशर्मा ने इन स्टाल्स का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य शासन की योजनाओं से आमजन को परिचित कराते हुए उन्हें लाभान्वित करना है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं से जुड़ी सभी अहम जानकारियां पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा